वर्ष-10, अंक-24 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज गुरुवार, 28 मार्च, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 24 मार्च को सियाचिन का करेंगे दौरा, जवानों के साथ मनाएंगे होली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि वह 24 मार्च को सियाचिन

का दौरा करेंगे। वह वहां तैनात सशस्त्र बलों के जवानों के साथ होली मनाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बार जवानों के संग होली मनाएंगे। वह 24 मार्च को सियाचिन के दौरे पर जा रहे हैं जहां पर वह लगभग 20 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर में जवानों के साथ होली खेलेंगे। गौरतलब है कि सियाचिन को दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, 24 मार्च को मैं दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में रहूंगा। वहां तैनात सशस्त्र बलों के जवानों के साथ होली का त्योहार मनाने के लिए उत्सुक हूं। बता दें कि काराकोरम रेंज में लगभग 20 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर को दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहां पर सैनिकों को बहुत ही कठिन स्थितियों का सामना करना पड़ता है। सदिच्यों के दौरान ग्लेशियर पर हिमस्खलन आम बात है। तापमान शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है।

कमर में दर्द था, कोहनी टिकाकर बैठाडी वाई चंद्रचूड़ भी ट्रोलर्स से परेशान, ट्रोलिंग से जुड़ा सुनाया एक किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

बेंगलुरु। सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स से निपटना एक टेढ़ी खीर है। ट्रोलर्स की पहचान कर पाना भी काफी मुश्किल है। सोलिब्रिटिज, राजनेताओं से लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश डी वाई चंद्रचूड़ भी ट्रोलर्स से परेशान हो चुके है। दरअसल, कर्नाटक में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ट्रोलिंग से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ भी सोशल मीडिया पर मौजूद ट्रोलर्स से परेशान है। दरअसल कर्नाटक के 21वें द्विवार्षिक राज्य स्तरीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में उन्होंने हिस्सा लिया। समारोह के संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले कार्यवाही के दौरान उन्होंने पीठ दर्द की वजह से कोहनी कुर्सी पर रख दी थी जिसकी वजह से ट्रोलर्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया। उन्होंने कहा,ठचार-पांच दिन पहले में एक मामले की सुनवाई कर रहा था। इस कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। सुनवाई के दौरान मेरी पीठ में थोड़ा दर्द था। पीठ दर्द की वजह से मैंने कोहनी कुर्सी पर रखी और स्थिति (आसन)

बदल ली। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स मुझे ट्रोल करने लगे। लोग कहने लगे कि मैं अहंकारी हूं क्योंकि मैंने कोर्ट में एक महत्वपूर्ण सुनवाई के बीच में उठा था।सीजेआई ने उन दिनों को याद किया जब वो इलाहाबाद हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश थे। उन्होंने कहा जब मैं इलाहाबाद हाई कोर्ट का मुख्य न्यायधाशी था तो मैंने सुना था कि युवा, मध्यम स्तर और वरिष्ठ स्तर के न्यायधीशों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है।उन्होंने कहा,ठकभी-कभी न्यायाधीश के रूप में हमारे साथ व्यवहार में वे सीमा लांघ जाते हैं। मैंने देखा कि वकील और वादी अदालत में हमसे बातचीत के दौरान सीमा लांघ जाते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम उन पर कोर्ट की अवमानना का केस दायर कर दें। हमें समझना होगा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया।ठसीजेआई ने बातचीत के दौरान कहा,ठवर्क-लाइफ बैलैंस और स्ट्रैस मैनेजमेंट का जिक्र किया। उन्होंने कहा तनाव को कम करने और कार्य-जीवन में संतुलन हासिल करने की क्षमता अलग नहीं है, बल्कि पूरी तरह से न्याय देने के साथ जुड़ी हुई है।उन्होंने कहा कि हम अक्सर चिकित्सकों और सर्जनों से कहते हैं, 'खुद को ठीक करें'। दूसरों को ठीक करने से पहले, आपको सीखना चाहिए कि खुद को कैसे ठीक किया जाए। वही न्यायाधीशों के बारे में भी यह सच है।

चुनाव में मतदाताओं तक पहुंचने में हेलीकॉप्टर से हाथी तक का होगा इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कहते है जहां चाह होती है वहां राह अपने आप निकल आती है। प्रत्येक मतदाताओं तक पहुंचने की चुनाव आयोग की कोशिश भी कुछ ऐसी ही होती है। जिसमें कोई

भी दीवार आड़े नहीं आती है। सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले मतदाता तक भले ही उनकी संख्या कुछ भी हो, किसी भी तरह पहुंचा जाए। आयोग को हालांकि, अपने इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रत्येक चुनाव में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। चुनाव की घोषणा से पहले चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा के दौरान इन सभी मुद्दों को प्रमुखता से परखा था। साथ ही स्थानीय प्रशासन को इसे लेकर सख्त हिदायत भी दी है। अब जब चुनाव की घोषणा हो चुकी है ऐसे में आयोग ने सभी राज्यों से चुनावी तैयारियां का अंतिम ब्लूप्रिंट मांगा है जो अधिकांश राज्यों से आ गया है। चुनाव की घोषणा से पहले चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा के दौरान इन सभी मुद्दों को प्रमुखता से परखा था। साथ ही स्थानीय प्रशासन को इसे लेकर सख्त हिदायत भी दी है। अब जब चुनाव की घोषणा हो चुकी है, ऐसे में आयोग ने सभी राज्यों से चुनावी तैयारियां का अंतिम ब्लूप्रिंट मांगा है, जो अधिकांश राज्यों से आ गया है। इसके तहत जिन राज्यों में मतदाताओं तक पोलिंग पार्टियों को पहुंचाने के लिए बड़े स्तर पर हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा, उनमें छत्तीसगढ़ व झारखंड प्रमुख है।

भारतीय नौसेना ने मुंबई पुलिस को सौंपे 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरे, ऑपरेशन संकल्प के तहत की गई कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मुंबई। सोमालिया तट के पास एक अभियान के दौरान पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर युद्धपोत आईएनएस कोलकाता शनिवार

सुबह मुंबई पहुंचा। नौसेना ने इन समुद्री लुटेरों को अब मुंबई पुलिस को सौंप दिया है और उसने इनके खिलाफ विभिनन्‍ धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। सोमालिया तट के पास एक अभियान के दौरान पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर युद्धपोत आईएनएस कोलकाता शनिवार सुबह मुंबई पहुंचा। यह कार्रवाई ऑपरेशन संकल्प के तहत की गई। इसके तहत भारतीय नौसेना के जहाजों को अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और मालवाहक पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत की गई। इसके तहत भारतीय नौसेना के जहाजों को अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और मालवाहक पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आईएनएस कोलकाता पकड़े गए 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरों को लेकर 23 मार्च को मुंबई पहुंचा। भारतीय कानूनों, खासकर समुद्री डकैती-रोधी अधिनियम, 2022 के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए इन समुद्री लुटेरों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।-नौसेनाउसने कहा कि विशिष्ट सूचना के आधार पर 15 मार्च की सुबह शुरू हुए 40 घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के दौरान आईएनएस कोलकाता ने अरब सागर में समुद्री लुटेरों के जहाज एक्स-एमवी रुएन को पकड़ा था।

कांग्रेस के कई खाते, सिर्फ तीन-चार खाते अटैच हुए; फ्रीज नहीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के कई बैंक

खाते हैं और बकाया कर का भुगतान नहीं करने की वजह से उनमें से केवल तीन-चार खातों को ही आयकर विभाग ने अटैच किया है। ये खाते फ्रीज नहीं है। लोकसभा चुनाव में अपनी निश्चित हार को देखते हुए कांग्रेसी नेता इस मुद्दे पर झूठी और गुमराह करने वाली बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के कई बैंक खाते हैं और बकाया कर का भुगतान नहीं करने की वजह से उनमें से केवल तीन-चार खातों को ही आयकर विभाग ने अटैच किया है। ये खाते फ्रीज नहीं है। लोकसभा चुनाव में अपनी निश्चित हार को देखते हुए कांग्रेसी नेता इस मुद्दे पर झूठी और गुमराह करने वाली बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ठये बैंक खाते फ्रीज नहीं किए गए हैं, ये चालू हैं। कांग्रेस इन खातों में पैसा जमा कर सकती है और निकाल भी सकती है, सिवाय उन 125 करोड़ रुपये के, जिन्हें आयकर विभाग ने बकाया भुगतान न करने के कारण आयकर नियमों के अनुसार अटैच कर लिया है।

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कर्नाटक में अब तक 15.78 करोड़ रुपये की नकदी किए जब्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

बेंगलुरु चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से

पहले कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में 6.13 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई। इस तरह से आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य में जब्त की गई कुल नकदी 15.78 करोड़ रुपये हो गई है। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में 6.13 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई। इस तरह से आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य में जब्त की गई कुल नकदी 15.78 करोड़ रुपये हो गई है। पुलिस ने बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र में 5.36 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, आचार संहिता लागू होने के बाद से 15.78 करोड़ रुपये नकद, 17.3 लाख रुपये मूल्य की वस्तुएं, 23.37 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शराब, 66.34 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया है। नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और अन्य वस्तुओं की जब्ती के संबंध में 496 एफआइआर दर्ज की गई है, जबकि 72,627 हथियार जमा कराए गए हैं। 836 हथियार जब्त किए गए और आठ हथियारों के लाइसेंस रद कर दिए गए। यही नहीं, 329 विभिनन्‍ प्रकार के वाहनों को भी जब्त किया गया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र में 5.36 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। इसने बेल्लारी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य की 203 किलोग्राम चंदन की लकड़ी भी जब्त की गई। इस बीच, मैसूरु संसदीय क्षेत्र में लगभग 16 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। बेल्लारी संसदीय क्षेत्र में 26 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। आइएएनएस के अनुसार, महाराष्ट्र में अब तक 27 करोड़ की नकदी जब्त की गई है। जबकि 17 लाख लीटर शराब, 699 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई है। अकेले मुंबई महानगर से 3.60 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं।

विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी न मिलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। केरल सरकार ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए राज्य विधानसभा से पारित चार विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वीकृति न दिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

खटखटाया है। इन विधेयकों में विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 2) विधेयक 2021 केरल सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक 2022 विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक 2022 और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) (नंबर 3) विधेयक 2022 शामिल है। माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार ने शीर्ष कोर्ट से राष्ट्रपति द्वारा बगैर किसी कारण के विधेयकों को मंजूर न करने को असंवैधानिक कदम घोषित करने की मांग की है। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार, राष्ट्रपति के सचिव, राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके अतिरिक्त सचिव को मामले में पार्टी बनाया है। वकील सीके सासी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि यह मामला केरल के राज्यपाल के उन सात विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजने से संबंधित है, जिन पर खुद उन्हें मंजूरी देनी थी। याचिका में कहा गया है कि सात विधेयकों में से किसी का भी केंद्र-राज्य संबंधों से कोई लेना-देना नहीं था।

'एहतियाती हिरासत को शुरू में ही करें हतोत्साहित करें', शीर्ष अदालत ने इसे शक्तियों के मनमाने प्रयोग पर आधारित बताया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एहतियाती हिरासत एक कठोर उपाय है। शक्तियों के 'मनमाने या नियमित प्रयोग' पर आधारित इस तरह के किसी भी कदम को शुरू में ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के एक आदेश को रद कर दिया। हाई कोर्ट ने एक कैदी की अपील खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एहतियाती हिरासत एक कठोर उपाय है। शक्तियों के मनमाने या नियमित प्रयोग पर आधारित इस तरह के किसी भी कदम को शुरू में ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के एक आदेश को रद कर दिया। हाई कोर्ट ने एक कैदी की अपील खारिज कर दी थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि एहतियाती हिरासत की आवश्यक अवधारणा यह है कि किसी व्यक्ति की हिरासत उसे उसके

किए गए किसी काम के लिए दंडित करने की खातिर नहीं है, बल्कि उसे ऐसा करने से रोकने के लिए है। पीठ ने कहा कि शक्तियों के मनमाने या नियमित अभ्यास के परिणामस्वरूप एहतियाती हिरासत के किसी भी आदेश को शुरुआत में ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने में राज्य पुलिस की अक्षमता एहतियाती हिरासत का आदेश लागू करने का बहाना नहीं होना चाहिए। याचिकाकर्ता को पिछले साल 12 सितंबर को तेलंगाना में राचाकोंडा पुलिस आयुक्त के आदेश पर तेलंगाना खतरनाक गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1986 के तहत गिरफ्तार किया गया था। चार दिन बाद तेलंगाना हाई कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली आरोपित की याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा कि कानून में इसकी व्यवस्था की गई है कि एहतियाती हिरासत से संबंधित किसी भी प्रविधान के तहत शक्ति का प्रयोग बहुत सावधानी और संयम के साथ किया जाना चाहिए। अभियोजन का लंबित रहना एहतियाती हिरासत के आदेश पर कोई बाधा नहीं है और एहतियाती हिरासत का आदेश भी अभियोजन पर बाधा नहीं है।

आईएस में शामिल होने जा रहा आईआईटी छात्र धरा गया, ईमेल भेजकर आतंकी संगठन में शामिल होने का किया था दावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गुवाहाटी। आतंकी संगठन आईएस में शामिल होने जा रहे आईआईटी गुवाहाटी के एक छात्र को हिरासत

में लिया गया है। यह छात्र दिल्ली के ओखला का रहने वाला बताया गया है। इस छात्र को आईएस इंडिया के प्रमुख हारिश फारूकी उर्फ हारिश अजमल फारूखी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान की गिरफ्तारी के बाद धरा गया है। आतंकी संगठन आईएस में शामिल होने जा रहे आईआईटी गुवाहाटी के एक छात्र को हिरासत में लिया गया है। यह छात्र दिल्ली के ओखला का रहने वाला बताया गया है। इस छात्र को आईएस इंडिया के प्रमुख हारिश फारूकी उर्फ हारिश अजमल फारूखी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान की गिरफ्तारी के बाद धरा गया है। छात्र दिल्ली के ओखला का रहने वाला है। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, आइएस के प्रति निष्ठा जताने वाले आइआइटी गुवाहाटी के छात्र को उस समय हिरासत में लिया गया, जब वह आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए यात्रा कर रहा था। एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक ने कहा कि एक ईमेल प्राप्त होने के बाद हमने जांच शुरू की। यह ईमेल छात्र ने ही भेजा था। इसमें उसने दावा किया था कि वह आईएस में शामिल होने जा रहा है। पाठक ने कहा कि तुरंत आइआइटी गुवाहाटी के अधिकारियों से संपर्क किया गया। उन्होंने सूचित किया कि उक्त छात्र शनिवार दोपहर से लापता है और उसका मोबाइल फोन भी बंद है। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली के ओखला का रहने वाला है। उसे स्थानीय लोगों की मदद से गुवाहाटी से लगभग 30 किलोमीटर दूर हाजो इलाके से पकड़ लिया गया। पाठक ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे एसटीएफ कार्यालय लाया गया है। छात्रावास के उसके कमरे में आईएस के समान एक काला झंडा पाया गया है। इसे सत्यापन के लिए भेजा गया है। पाठक ने कहा कि हम जब्त किए गए सामान की जांच कर रहे हैं। इस संबंध में अभी बहुत कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

चुनावी बॉन्ड मामले में कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी जांच करवाने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनावी बॉन्ड मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की अपनी मांग शनिवार को दोहराई। साथ ही आरोप लगाया कि इस योजना ने सुनिश्चित किया कि बैंकिंग चैनल

के माध्यम से रिश्वत दी जा सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, जिस व्यक्ति ने 'काला धन वापस लाने' की गारंटी दी थी, उसने इसके बजाय भ्रष्टाचार को वैध बना दिया और इसे छिपाने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस ने चुनावी बॉन्ड मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की अपनी मांग शनिवार को दोहराई। साथ ही आरोप लगाया कि इस योजना ने सुनिश्चित किया कि बैंकिंग चैनल के माध्यम से रिश्वत दी जा सके। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा जिस व्यक्ति ने काला धन वापस लाने की गारंटी दी थी उसने इसके बजाय भ्रष्टाचार को वैध बना दिया। विपक्षी दल ने 'पायथन कोड' भी जारी किया। दावा किया कि इससे राजनीतिक दलों के साथ चंदादाताओं का मिलान करने में 15 सेकंड से भी कम समय लगा।

चलती ट्रेन से गिरकर घायल युवक की मौत, करछना में नहर पुलिया के पास हुआ हादसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा । करछना इलाके के नहर पुलिया के पास बुधवार को सुबह एक युवक खून से लथपथ मिला। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने युवक को देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। युवक का एक पैर कट गया है। आशंका जताई जा रही है कि चलती ट्रेन से गिरने से वह हादसे का शिकार हुआ है। उसे पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी सांसें थम गईं।

करछना थाना क्षेत्र के नहर पुलिया के पास ट्रेन हादसे में एक युवक का पैर कट गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी करछना ले गई। कुछ देर में युवक ने दम तोड़ दिया। आशंका जताई जा रही है कि वह चलती ट्रेन से गिरा है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि घायवल युवक अंकित उर्फ मोनू (22) पुत्र शेर बहादुर निवासी जगौती बरदहा का रहने वाला है। का एक पैर कट गया था। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

कार की टक्कर से पांचवीं के छात्र की दर्दनाक मौत, सड़क पार करते समय हाईवे पर कार ने रौंदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा । रहीम पट्टी थाना उतरांव निवासी स्व. जंग बहादुर बिंद जिनकी मृत्यु कई वर्ष पूर्ण हो गई थी। बुधवार को लगभग 11:30 बजे के करीब में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। रहीम पट्टी थाना उतरांव निवासी स्व. जंग बहादुर बिंद जिनकी मृत्यु कई वर्ष पूर्ण हो गई थी। बुधवार को लगभग 11:30 बजे के करीब में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। मृतक तीन भाई चार बहनों में पांचवें नंबर पर था। मृतक रवि जो पांचवीं का छात्र था।

बजे के करीब उनका बेटा रवि उम्र लगभग 12 वर्ष जो राज ढाबा के पास से दुकान पर सामान लेने गया था। सामान लेकर घर वापस आ रहा था। उतरांव थाना क्षेत्र के रहीम पट्टी नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से सड़क पार कर रहे किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। किशोर की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे

उनका बेटा रवि उम्र लगभग 12 वर्ष जो राज ढाबा के पास से दुकान पर सामान लेने गया था। सामान लेकर घर वापस आ रहा था। हाईवे पार कर रहा था वैसे ही प्रयागराज की तरफ तेज रफ्तार जा रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें किशोर रवि की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे

रवि की मौत से माता सुमित्रा देवी समेत परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है इसी तरह प्रयागराज रायबरेली हाईवे थाना नवाबगंज के उल्दा महेशगंज में सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। बताया गया कि अध्ययन राहगीर पैदल का जा रहा था। बाल सवार लापरवाही पूर्वक टक्कर मार दिया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जिसकी मौत हो गई।

कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन में विस्फोटक की सूचना पर मची खलबली, जंघई मे ट्रेन खड़ी करके ली गई तलाशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा । कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना पर खलबली मची रही। एक घंटे से अधिक समय तक तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध बैग या वस्तु नहीं मिला। कई जिलों की फोर्स के साथ आरपीएफ और जीआरपी के जवान तलाशी में लगे रहे। मौके पर बम निरोधक दस्ते को भी बुला लिया गया था। बलिया से चलकर कुर्ला तक जाने वाली 11071 कामायनी एक्स्प्रेस ट्रेन में विस्फोटक मिलने की सूचना पर खलबली मच गई. आनन फानन में ट्रेन को जंघई स्टेशन पर रोककर सघन तलाशी ली गई। बम की सूचना फर्जी निकली। तलाशी के चलते ट्रेन करीब एक घंटे तक स्टेशन पर खड़ी रही। कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन की बोगी में विस्फोटक होने की सूचना से रेलवे, आरपीएफ और पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई। ट्रेन को जंघई जंक्शन स्टेशन पर रोककर पुलिस प्रशासन छानबीन में जुटा हुआ है। बलिया से कुर्ला जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही भदोही से आगे बढ़ी कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि ट्रेन में एक संदिग्ध बैग है। जिससे रेलवे प्रशासन में खलबली मच गई। मंगलवार शाम करीब छह बजे जैसे ही ट्रेन जंघई जंक्शन स्टेशन पर पहुंची तो रोककर आरपीएफ, जीआरपी, जंघई चौकी की पुलिस के साथ ही एसओ सरायममरेज और प्रभारी निरीक्षक मीरगंज जौनपुर पुलिस बल के मौके पर पहुंच गए और ट्रेन की बोगियों में घुसकर तलाशी चलाया। शाम करीब 7.30 बजे तक ट्रेन से किसी प्रकार का कोई विस्फोटक और संदिग्ध बैग जैसी वस्तु नहीं मिल सकी थी। प्रयागराज टीम भी जंघई के लिए रवाना हो चुकी है।

समय के साथ अस्त होता गया वामपंथ का सियासी वजूद, अब आंदोलनों में सिमटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा । 2019 में सीपीआई ने इलाहाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। पार्टी के उम्मीदवार गिरिधर गोपाल त्रिपाठी 10,403 मत प्राप्त कर चौथे स्थान पर रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। संगमनगरी की राजनीति में वामपंथी विचारधारा ने लंबे समय तक सियासत के दंगल में अपना दमखम दिखाया। कई दशक तक चुनावों में असरदार रहने वाले वामपंथी दलों का दायरा शहर में सिमटता रहा।1957 के विधानसभा चुनाव में पहली बार वामपंथी दल सीपीआई ने शहर दक्षिणी से जेडए अहमद को प्रत्याशी बनाया, जिसमें वह दूसरे स्थान पर रहे। सामने कांग्रेस के उम्मीदवार विश्वंभर नाथ पांडेय (बाद में उड़ीसा के राज्यपाल रहे) थे, जबकि सप्रास

से छुन्नन गुरु उम्मीदवार थे। इनका नामांकन साजिशन खारिज करा दिया गया। विश्वंभर नाथ ने जीत गए, लेकिन छुन्नन गुरु की याचिका पर न्यायालय ने चुनाव निरस्त कर दिया। उपचुनाव में छुन्नन गुरु ने सीपीआई से समर्थन लिया और जीत हासिल की। इसके बाद वामपंथी दलों का प्रभाव मजदूर, आदिवासी व महिलाओं के आंदोलनों में दिखता रहा। 1964 में चीन-भारत की लड़ाई के बाद पार्टी में मतभेद हुआ। साथ हीशहर में भी सीपीआई व सीपीएम के अलग-अलग कार्यालय हो गए।

तब अरुण गोविल ने इलाहाबाद में कहा था भगवान राम का नाम लो और कांग्रेस को वोट दो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा । चर्चित टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम का किरदान निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल कांग्रेस के समर्थन में प्रचार करने के लिए प्रयागराज आ चुके हैं। अमिताभ बच्चन के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के खिलाफ प्रचार करने के लिए अरुण गोविल को बुलाया था। उन्हें देखने के लिए सड़कें जाम हो गई थीं। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर भाजपा को घेरने वाली कांग्रेस प्रयागराज में किला बचाने के लिए राम के नाम पर वोट मांग चुकी है। बोफोर्स दलाली कांड में घिरी राजीव गांधी सरकार से इस्तीफा देकर 1988 में इलाहाबाद संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे वीपी सिंह के खिलाफ कांग्रेस ने राम के नाम पर वोट मांगे थे तब कांग्रेस ने वीपी को हराने के लिए रामायण सीरियल में राम के किरदार के तौर पर लोकप्रिय अरुण सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई थी। वीपी सिंह ने इसी कांड के बाद सरकार से इस्तीफा दे दिया।

गोविल को चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। अरुण गोविल ने भगवान राम के कॉस्ट्यूम में प्रचार किया था, लेकिन कांग्रेस जीत नहीं सकी। इसके बाद अब तक कांग्रेस इस सीट से जीत के लिए तरस रही है बोफोर्स दलाली कांड उछलने के बाद राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत वाली इस सीट पर उन दिनों सांसद रहे अमिताभ बच्चन भी बोफोर्स दलाली मामले में नाम आने के बाद इस्तीफा दिया था। इस वजह से यह सीट रिक्त हो गई थी। जब उप चुनाव का एलान हुआ तब वीपी सिंह यहां से चुनाव मैदान में उतरे।तब कांग्रेस ने वीपी को हराने के लिए रामायण सीरियल में राम के किरदार के तौर पर लोकप्रिय अरुण गोविल को चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। अरुण गोविल ने भगवान राम के कॉस्ट्यूम में प्रचार किया था, लेकिन कांग्रेस जीत नहीं सकी। इसके बाद अब तक कांग्रेस इस सीट से जीत के लिए तरस रही है। बोफोर्स दलाली कांड उछलने के बाद राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत वाली सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई थी। वीपी सिंह ने इसी कांड के बाद सरकार से इस्तीफा दे दिया। इस सीट पर उन दिनों सांसद रहे अमिताभ बच्चन भी बोफोर्स दलाली मामले में नाम आने के बाद इस्तीफा दिया था। इस वजह से यह सीट रिक्त हो गई थी। जब उप चुनाव का एलान हुआ तब वीपी सिंह यहां से चुनाव मैदान में उतरे।कांग्रेस ने अमिताभ का टिकट काटकर वीपी के मुकाबले देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र सुनील शास्त्री को उम्मीदवार घोषित किया। उस समय वीपी के समर्थन में नारा गूंज रहा था, राजा नहीं फकीर है, भारत का तकदीर है...। ऐसे में वीपी को हराने के लिए कांग्रेस को राम की शरण लेनी पड़ी। सुनील शास्त्री के भाई पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री बताते हैं कि उन दिनों पार्टी ने रामायण सीरियल में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को चुनाव प्रचार में उतारा। पीडी टंडन पार्क में सभा में अरुण गोविल शामिल हुए थे। तब उन्हें देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। अधिवक्ता नसीम कुरैशी बताते हैं कि उन दिनों कांग्रेस के प्रचार में उतरने से पहले टीवी अभिनेता अरुण गोविल को राजीव गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई गई थी।कांग्रेस ने रामायण में ""भगवान राम"" की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल को चुनाव प्रचार के लिए बुलाया।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

काशी में 175 करोड़ रुपये की शराब गटक गए लोग, पिछली बार की तुलना में 75 प्रतिशत अधिक हुई खपत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी। होली की खुमारी के बीच काशीवासियों ने लगभग 175 करोड़ रुपये की शराब गटक ली। इस बार शराब और बियर की खपत पिछली बार की तुलना में 75 प्रतिशत अधिक हुई।होली पर शराब और बियर की खपत पिछली बार की तुलना में इस बार 75 प्रतिशत अधिक हुई। लगभग 175 करोड़ रुपये की शराब जिले भर में शौकीन गटक गए। जिला आबकारी अधिकारी ओमवीर सिंह ने बताया कि पहले की तुलना में शराब और बीयर की अच्छी बिक्री हुई है। हालांकि, इस आंकड़े में बढ़ोतरी भी हो सकती है। होली पर सड़क हादसों में घायल 50 से ज्यादा लोग बीएचयू समेत सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने पहुंचे। कुछ को तो प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया तो कुछ को इमरजेंसी में भर्ती किया गया। सोमवार को शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक तेज रफ्तार बाइक चलाते किशोर और युवा नजर आए। इसके अलावा पानी में भी लोग खूब भीगे। इससे बीमार हो गए। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों में सर्दी, खांसी की समस्या लेकर भी लोग पहुंचे। बीएचयू ट्रामा सेंटर, मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा, जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर की इमरजेंसी में चोट लगने से पहुंचने वाले घायलों में 35 साल से कम उम्र के युवा और किशोर शामिल रहे।

तीखी धूप ने जून की गर्मी का कराया एहसास, जानें आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी में मौसम का मिजाज बदल गया है। होली वाले दिन भोर में बूंदाबांदी के बाद मौसम गर्म होने लगा है। तीखी धूप मई और जून की गर्मी का एहसास करा रही है। धूप के चलते सड़कों पर सन्नाटा दिखने लगा है। काशी में मौसम ने रूख बदल लिया है। तेज धूप होने और हवा की रफ्तार थमने से उमस महसूस होने लगी है। बुधवार की सुबह से तीखी धूप निकली, जो दिन चढ़ने के साथ ही और बढ़ती गई। धूप के चलते सड़कों पर सन्नाटा दिखने लगा। जो लोग किसी काम से निकले भी तो सूरत की तपिश से बचने के लिए गमछा और दुपट्टे से चेहरा ढके रहे। मार्च के दूसरे सप्ताह से ही मौसम का मिजाज तल्ख होने लगा है। कभी तेज धूप हो रही है तो कभी बादल छाए रहने के साथ ही पछुआ हवाएं चल रही हैं। बुधवार को सुबह से ही धूप तेज निकली। दिन चढ़ने के साथ ही ऐसी तपिश रही कि लगा जैसे मई और जून का महीना चल रहा हो। इस बीच तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।होली के दिन सोमवार की भोर में बूंदाबांदी के बाद मंगलवार को मौसम साफ हो गया। सुबह हल्की बदली के बाद दिन में हवा न चलने और तेज धूप होने से लोग सूरज की तपिश से परेशान रहे। शाम को भी हवा नहीं चली कि लोगों को थोड़ी राहत मिले। तापमान भी 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 37.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 18.8 रिकॉर्ड किया गया। दोनों तापमान औसत से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि इस बार गर्मी लोगों को खूब सताएगी। इसी सप्ताह तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

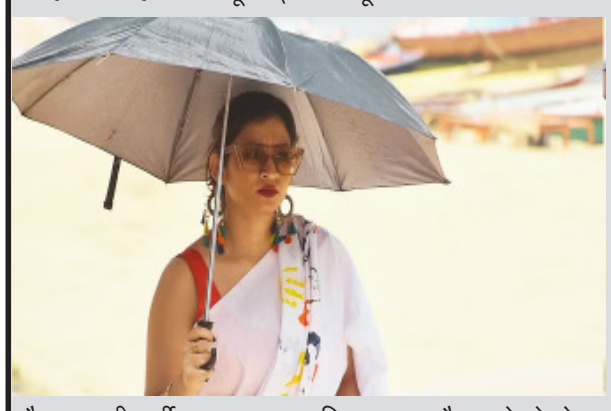

आजमगढ़ जिला अस्पताल में भिड़े दलाल और डॉक्टर, जमकर हुई हाथापाई; पुलिस तक पहुंचा मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। जिला अस्पताल में डॉक्टर और दलाल के बीच मारपीट के बादल घंटों हंगामा मचा रहा। इस दौरान दलाल के कपड़े फट गए, तो वहीं पिटाई से डॉक्टर के चेहरे पर सूजन आ गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आजमगढ़ जिला अस्पताल में बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब आर्थो वार्ड में एक डॉक्टर व दलाल के बीच भिड़ंत हो गई। विवाद के बाद दोनों ने एक दूसरे पर हमला किया। मारपीट में दलाल के कपड़े फट गए। वहीं डॉक्टर के चेहरे पर चोट आई। एक मरीज से पैसों के लेनदेन को लेकर डॉक्टर व दलाल के बीच विवाद हुआ था। घंटे भर तक मामले को लेकर अस्पताल में हंगामा मचा रहा। सूचना पर पुलिस पहुंची और एसआईसी कक्ष में सीएमओ की मौजूदगी में घंटों मामले को लेकर बातचीत हुई। डॉक्टर व दलाल के बीच मारपीट चर्चा का विषय बन गया।जिला अस्पताल में दलालों का वर्चस्व तोड़ने में अस्पताल प्रशासन सफल नहीं हो सका है। जिसके चलते आए दिन दलालों की आपस में मारपीट की बात सामने आती रहती है। वहीं अब डॉक्टर व दलाल के बीच मारपीट का मामला भी सामने आने लगा है। बुधवार की सुबह आर्थो वार्ड में दलाल गौरव तिवारी मौजूद था और मरीजों से कुछ पैसों के लेनदेन की बात कर रहा था। इसी दौरान डॉ. वीके श्रीवास्तव वार्ड में राउंड पर पहुंच गए। जहां डॉक्टर व दलाल के बीच विवाद हो गया। दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई, जिसमें दलाल गौरव के कपड़े फट गए। वहीं डॉ. वीके श्रीवास्तव के चेहरे पर दलाल द्वारा कई थप्पड़ जड़ने से सूजन आ गया। हाथापाई के बाद दलाल मौके से फरार हो गया। घटना से अस्पताल परिसर में घंटो हंगामे की स्थिति रही। सूचना पर शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और डॉक्टर वीके श्रीवास्तव का मेडिकल मुआयना आदि कराया। प्रकरण को लेकर जिला अस्पताल के डॉक्टर आक्रोशित हैं। इसे लेकर एसआईसी कक्ष में बैठक कर मामले को सुलझाने पर बातचीत होती रही। जिसमें एसआईसी डॉ. आमोद के अलावा सीएमओ डॉ. आईएन तिवारी भी मौजूद रहे।

संगीत की फुहार, इत्र और गुलाबजल की खुशबू से निखरा बुढ़वा मंगल, सुबह-ए-बनारस के मंच पर सजी महफिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। होली के बाद पहले मंगलवार को गंगातट पर बुढ़वा मंगल की महफिल सजी। इस दौरान पुरुष दुपलिया टोपी, सफेद कुर्ता-पायजामा तो महिलाएं गुलाबी साड़ी में नजर आईं। महफिल में इत्र व गुलाबजल की खुशबू के साथ संगीत का रस घुला तो सभी मदमस्त हो गए। बनारसी ठाटबाट का हिस्सा रहा बुढ़वा मंगल मंगलवार को जवां दिखा। अस्सी घाट के सुबह-ए-बनारस के मंच पर सजी बुढ़वा मंगल की महफिल में इत्र व गुलाबजल की खुशबू के साथ संगीत का रस घुला तो सभी मदमस्त हो गए। पुरुष दुपलिया टोपी, सफेद कुर्ता-पायजामा तो महिलाएं गुलाबी साड़ी में नजर आईं। आरंभ होली पर काव्यार्चन से हुआ। अरविंद मिश्रा हर्ष के संचालनत्व में कंचनलता चतुर्वेदी, प्रियंका अग्निहोत्री, प्रियंका सिंह, डॉ. अलका दुबे, डॉ. धर्म प्रकाश मिश्रा, डॉ. प्रवीण तिवारी, रुद्रनाथ त्रिपाठी पुंज, अंकित खत्री नादान, जगदीश्वरी चौबे, डॉ. जयप्रकाश मिश्रा, डॉ. नागेश शांडिल्य, सूर्य प्रकाश मिश्रा आदि ने काव्य पाठ किया। इसके बाद संगीतज्ञ डॉ. राजेश्वर आचार्य की अगुवाई में सजी संगीत की महफिल में तेजस्वनी वर्णेकर ने उपशास्त्रीय गायिकी से आनंद की वर्षा की। उन्होंने कौन तरह से खेलत होरी देखो लला..., ना खेलूंगी मैं तोसे होरी कन्हैया... आदि सुनाया। बुढ़वा मंगल में अभिनव प्रयोग करते हुए काशी के युवा रॉकस्टार अमित त्रिवेदी और उनकी टीम ने भगवान शिव की रॉकिंग होली की अद्भुत प्रस्तुति दी। संचालन अंकिता खत्री ने किया। इस मौके पर पं. प्रमोद मिश्र, मंजू मिश्रा, डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह, अभय श्रीवास्तव, पं. रमेश तिवारी, कृष्णमोहन आदि रहे।

पूर्वांचल में 48 घंटे में 32 लोगों ने गंवाई जान, बलिया में चाचा-भतीजा सहित 7 लोगों की हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पूर्वांचल के 10 जिलों में होली के उल्लास के बीच 48 घंटे में 32 लोगों की मौत हो गई। किसी के सिर से पिता का साया उठा तो किसी के घर का नवजवान बेटा हादसे का शिकार हुआ। ऐसे में हादसों ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली। होली के उल्लास के बीच रविवार की रात से लेकर मंगलवार की रात तक तीन मंडलों वाराणसी, विंध्य व आजमगढ़ के 10 जिलों में 32 लोगों ने अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाई। बलिया में हादसों में चाचा-भतीजा सहित 7 की मौत हो गई। मिर्जापुर में चार दोस्तों को बेकाबू ट्रक ने रौंद दिया। इस घटना सहित मिर्जापुर में कुल 6 की जान हादसों में गई। जौनपुर में पांच मौतें हुई जिसमें एक की मौत जयपुर में हुई। जौनपुर के चार युवक कार से साथ खाटू धाम दर्शन को जा रहे थे।

60 दिन में काशी आए 1.59 करोड़ पर्यटक, रोजाना पहुंच रहे करीब ढाई लाख भोलेभक्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद काशी में भी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। राम की नगरी से महादेव की नगरी में पर्यटकों के आवागमन का सिलसिला जारी है। यही वजह है कि साल 2024 के जनवरी और फरवरी महीने के 60 दिन में एक करोड़ 59 लाख से अधिक पर्यटक काशी पहुंचे। काशी विश्वनाथ धाम के बाद अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा से धार्मिक पर्यटन ने और परवाज भर दिया है। रोजाना करीब तीन लाख से अधिक पर्यटक काशी पहुंच रहे हैं। पर्यटन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2024 के जनवरी और फरवरी महीने के 60 दिन में एक करोड़ 59 लाख से अधिक पर्यटक काशी पहुंचे।आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में जनवरी और फरवरी महीने में करीब 82 लाख पर्यटक वाराणसी पहुंचे थे। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या में दोगुनी हुई है। उपनिदेशक पर्यटन आरके रावत के मुताबिक काशी में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसमें देशी विदेशी दोनों पर्यटक शामिल हैं। काशी आ रहे पर्यटकों की पहली प्राथमिकता श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, सारनाथ के अलावा गंगा आरती और नौकायन जरूर शामिल होता है।

होली के बाद परदेस लौटने वाले यात्रियों की बढ़ी भीड़, मुंबई दिल्ली की ट्रेनों में फर्श पर करना पड़ा सफर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अयोध्या। होली के बाद कर्मभूमि की ओर लौटना भी मुश्किल हो गया है। पूर्वांचल से दिल्ली- मुंबई समेत विभिन्न महानगरों में जाने वाले यात्रियों को ट्रेनों में कंफर्म सीट नहीं मिल पा रहा। ऐसे में उन्हें फर्श पर बैठकर यात्रा करनी पड़ रही है।होली मनाने के बाद कर्मभूमि की ओर लौटने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। हालांकि, जिनकी टिकट कंफर्म नहीं है, उन्हें परेशानियां झेलनी पड़ीं और आगे भी उन्हें दिक्कत उठानी पड़ेगी। मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, नई दिल्ली, पंजाब जाने वाली ट्रेनों में 31 मार्च तक सीटें वेटिंग हैं। मंगलवार को कैंट रेलवे स्टेशन और बनारस स्टेशन से खुलने वाली मुंबई और दिल्ली की ट्रेनों में यात्रियों को कंफर्म सीटें नहीं मिलने से फर्श पर यात्रा करनी पड़ी। रनिंग कर्मचारियों के अनुसार दो दिन बाद से लौटने वालों से ट्रेनें फुल होकर चलेंगी। अभी से लेकर अप्रैल के पहले सप्ताह तक ट्रेनें ठसाठस रहेंगी। कैंट स्टेशन स्थित मुख्य आरक्षण केंद्र के कर्मियों के अनुसार दिल्ली जाने वाली शिवगंगा, स्वतंत्रता सेनानी, नीलांचल एक्सप्रेस, 22415 वंदे भारत, 22435 वंदे भारत, एक्सप्रेस, फरक्का, सद्भावना, काशी विश्वनाथ, श्रमजीवी, बनारस सुपरफास्ट में 31 मार्च तक लंबी वेटिंग चल रही है। यही हाल कैंट से खुलने वाली मुंबई की ट्रेनों में जैसे महानगरी, जयनगर-एलटीटी, बीएसबीएस-एलटीटी, जीकेपी-एलटीटी, कामायनी एक्सप्रेस, दरभंगा स्पेशल में भी कंफर्म सीट नहीं हैं। सभी श्रेणियों में लंबी वेटिंग है। उत्तर रेल अधिकारियों के अनुसार होली पर लौटने वालों के लिए स्पेशल ट्रेनें 31 मार्च और अप्रैल के पहले सप्ताह तक संचालित हैं। कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी बढ़ाए गए हैं। रोडवेज बसों में भीड़, ई-बसों में यात्रियों की कमी उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र की बसों में मंगलवार से भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। कैंट बस स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ दिखी। जबकि ई-बसों को उतने यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि लंबी दूरी की बसों का लोड बढ़ गया है। आजमगढ़, जौनपुर, शक्तिनगर और प्रयागराज रूट के यात्रियों की संख्या ज्यादा है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजिनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
महानिदेशक अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
★C.O.P.A. ★Electrician ★Fire Safety & Industrial Security ★Computer Hardware & Maintenance
★Fitter ★Computer Application
★Security Service ★Repair of Refrigerator & A.C. ★Computer Teacher Training ★Welding Technology
★Electric Technician ★Certificate in YOGA
Message
नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग उत्तर प्रदेश
मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विवर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र/छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी वैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने में अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।
संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका "प्रवेश विवर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!
भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
Nand Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
N.C.V.T. D.G.E.T से मान्यता प्राप्त
फिटर
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा
COPA
छात्रवृत्ति की सुविधा
100% प्लेसमेंट की गारंटी
अप्रेन्टिशिप की सुविधा
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

होली पर्व को शान्तिपूर्ण ढंग से मनाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने लगायी मजिस्टेट्रुटो की ड्यूटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने होली त्यौहार के दृष्टिगत अपने एक आदेश में कहा है कि चन्द्र के अनुसार दिनांक 25 मार्च 2023 को होली पर्व के दृष्टिगत होली के दिन तथा उसके बाद तक हिन्दू धर्मालम्बियों द्वारा जुलूस निकाले जाते है तथा रंग, गुलाल आदि डाले जाते है जो अन्य सम्प्रदायों के व्यक्ति्तयों पर पड़ जाने से साम्प्रदायिक विवाद उत्पनन होने की सम्भावना बनी रहती है। उन्होने होली पर्व के व्यवस्थाओं के दृष्टिगत सभी अधिकारियों अपने आदेश के तहत आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जनपद के कई स्थानों पर यह भी देखने में आया है कि हुल्लड़बाजों द्वारा चलती बसों, रेलगाड़ियों आदि पर कीचड़, गुब्बारे एवं पत्थर आदि फेंके जाते है जिससे यात्रियों को असुविधा के साथ-साथ राष्ट्रीय सम्पत्ति को भी क्षति पहुँचती है। प्रदेश के विभिनन भागों में हाल ही में घटित साम्प्रदायिक घटनाओं के दृष्टिगत यह आवश्यक है कि जनपद में होली के त्यौहार को शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पनन कराये जाने हेतु सभी संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर उस पर कड़ी दृष्टि रखी जाये। होली के त्यौहार पर सफाई जलापूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता तथा आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था हेतु प्रबन्ध सुनिश्चित कर लिया जाये। कानून व्यवस्था के दृष्टिगत पूरे जनपद में द0प्र0सं0 की धारा 144 प्रभावी है जिसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। नगर मजिस्ट्रेट नगर क्षेत्र में तथा समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ सभी संवेदनशील स्थानों का व्यापक भ्रमण करेंगे तथा त्यौहार रजिस्टर का परीक्षण करके विवादित संवेदनशील स्थलों की सूची तैयार करेंगे तथा किसी विवाद के प्रकाश में आने पर उसका त्वरित निराकरण होलिका दहन के पूर्व अवश्य कर लिया जाये। भ्रमण के दौरान मुख्य रूप से होली के अवसर पर निकलने वाले जुलूसों के मार्गों की विशेष जानकारी कर मार्गों पर कोई अवरोध हो तो उसे हटवाना सुनिश्चित किया जाये। जुलूस के मार्गों पर कोई मस्जिद आदि स्थित है तो उस स्थान पर विशेष सतर्कता बरती जाय। शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु यह आवश्यक है कि नगर मजिस्ट्रेट नगर क्षेत्र के तथा समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने उप खण्डों के अन्तर्गत पड़ने वाले आगनेयास्त्र एवं मदिरा की दुकानों को त्यौहार के दिन बन्द कराना सुनिश्चित करेंगे तथा विस्फोटक पदार्थों के बिक्रय पर रोक लगाना सुनिश्चित करेंगे। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर इस त्यौहार के अवसर पर निकलने वाले जुलूसों, भीड-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों तथा यात्रियों एवं राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु बस/रेलवे स्टेशनों के आस-पास समुचित पुलिस बल की व्यवस्था करेंगे तया क्षेत्राधिकारी की ड्यूटी संबंधित मजिस्ट्रेट के साथ लगाने हेतु आदेश निर्गत करेंगे। जिला आबकारी अधिकारी मीरजापुर अपनी टीम के साथ भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि अवैध शराब कही पर न बिके साथ ही साथ यह भी सुनश्चित करेंगे कि त्यौहार के दिन मदिरा की दुकाने बन्द रहे। अभिहीत अधिकारी खादय सुरक्षा अपनी टीम के साथ शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में खादय पदार्थों की सैम्पलिंग करते यह सुनिश्चित करेंगे कि कही पर भी मिलावटी सामग्रियों की बिक्री न होने पाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सफाई, जलापूर्ति व प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिन क्षेत्रों में जल की आपूर्ति उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा की जाती है उन क्षेत्रों में अधिशासी अभियन्ता जल निगम मीरजापुर जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में जिला पंचायत राज अधिकारी मीरजापुर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम द्वितीय/चुनार, मीरजापुर अपने अधीनस्थ अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता बनाए रखने हेतु कड़े निर्देश जारी करेंगे। मुख्य अगिन्शमन अधिकारी मीरजापुर जनपद के समस्त तहसीलों एवं थानों से समन्वय स्थापित रखते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। होली के त्यौहार के अवसर पर मदिरापान, कीचड़, गुब्बारा व पत्थर आदि फेकने से घटित दुर्घटनाओं के अतिरिक्त बीमारी आदि की दशा में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद के सभी अस्पतालोंध्प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्साधिकारियों को चिकित्सालय खोले रखने हेतु आवश्यक निर्देश निर्गत करेंगे तथा जिला अस्पताल में डाक्टरों की ड्यूटी के साथ-साथ आपातकाल कक्ष भी खोले रखेंगे। होली के त्यौहार को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पनन कराये जाने हेतु नगर क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट एवं समस्त तहसीलों के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट्स सामान्य रूप से प्रभारी मजिस्ट्रेट होंगे। समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने-अपने तहसीलों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर निगरानी रखने हेतु आवश्यकतानुसार नायब तहसीलदारों की भी ड्यूटी लगा सकते हैं। उन्होने कहा कि अधिकारीगण अपने ड्यूटी क्षेत्र के मुख्यालय पर समय पूर्व पहुँच जायेंगे तथा त्यौहार सकुशल सम्पनन होने के पश्चात ही अपने क्षेत्र से गन्तव्य पर वापस जायेंगे। ड्यूटी पर नियुक्त जिन अधिकारियों के पास वाहन नहीं है उन्हें प्रभारी अधिकारी नजारत वाहन उपलब्ध करायेंगे। जिन अधिकारियों के पास वाहन उपलब्ध है वे अपने वाहन का उपयोग करेंगे तथा सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट्स को दो-दो आर्म्स गार्ड उपलब्ध कराने हेतु पुलिस अधीक्षक अपने स्तर से आदेश निर्गत करेंगे।

बाइक की टक्कर से घायल महिला की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अदलहाट। थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर टेडुआ गांव के पास सोमवार को देर शाम बाइक की टक्कर से एक महिला ने टक्कर मार दिया। इससे सुभावती गंभीर रूप से घायल हो गईं।सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें घायल अवस्था में नरायनपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती

गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला की नरायनपुर स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।थाना क्षेत्र के टेडुआ गांव निवासी सुभावती देवी (55) पत्नी स्व. मिठाई गौड़ सोमवार को शाम को अपने घर के सामने सड़क पार कर रही थीं। उसी दौरान अदलहाट से नरायनपुर की ओर तेज गति से आ रहे बाइक सवार कराया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुभावती के पुत्र संतोष की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि बाइक की टक्कर से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

रंग भरा गुब्बारा लगने पर बाइक सवार ने मारी टक्कर, होटल मालिक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंध्याचल। थाना क्षेत्र के रेहड़ा चुंगी पर होली के दिन सोमवार को एक बाइक सवार के चेहरे पर रंग भरा गुब्बारा लग गया। इससे बाइक सवार ने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े होटल मालिक को टक्कर मार दिया। इस हादसे में होटल मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मंडलीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से घायल को ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान होटल मालिक की मौत हो गई।रेहड़ा चुंगी निवासी इंजीनियर कुलपाल सिंह जायसवाल (70) सोमवार को दोपहर में अपने घर से पैदल ही विंध्याचल धाम दर्शन करने गए थे। लौटकर अपने आवास के पास पहुंचे ही थे। उधर, भदोही जिले के एक गांव से बाइक सवार दर्शन के लिए जा रहा था, बाइक सवार के चेहरे पर रंग भरा गुब्बारा लग गया। इससे बाइक अनियंत्रित होकर कुलपाल सिंह से जा टकराई। इस हादसे में कुलपाल को गंभीर चोटें आईं। इस हादसे में बाइक सवार भी घायल हो गया। कुलपाल को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर देख डॉक्टर ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया। ट्रामा सेंटर में पोस्टमार्टम होने के बाद मंगलवार को सुबह उनका शव विंध्य रेजीडेंसी पहुंचा। वहां से परिजन पैतृक निवास गणेशगंज ले गए। उनका अंतिम संस्कार चौबे घाट पर किया गया। कुलपाल विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी कल्चुरी जायसवाल समाज के अध्यक्ष तथा जायसवाल समाज मिर्जापुर तथा विंध्याचल के संरक्षक पद पर आसीन थे। विंध्याचल थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा बताया कि बाइक सवार के ऊपर रंग भरा गुब्बारा फेंक गया था। इससे बाइक सवार ने अनियंत्रित होकर होटल मालिक को टक्कर मार दिया। इस हादसे में घायल होटल मालिक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

सड़क किनारे बात कर रहे चार दोस्तों को ट्रक ने रौंदा, मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। होली पर्व पर बीते सोमवार को रात में बाइक सवार युवक दोस्त से मिलने जाते समय रास्ते में देहात कोतवाली के समोगरा ओवरब्रिज के पास तीन साथियों के साथ खड़े होकर बात करते लगा, उस दौरान सभी चार लोगों को ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में चारों साथियों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।हादसे की सूचना मिलने पर

ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे से आक्रोशित लोगों को पुलिस समझाकर शांत कराया। देहात कोतवाली क्षेत्र के समोगरा गांव निवासी राकेश कुमार सिंह (24) पुत्र प्रेम प्रकाश सिंह होली पर्व पर अपनी बाइक पर सवार होकर दोस्तों से मिलने जा रहे थे। रास्ते में समोगरा ओवरब्रिज के पास लघुशंका के लिए रुके। वहां बाइक सवार राकेश अपने साथी सोनू प्रजापति (20) पुत्र लाले प्रजापति, पवन प्रजापति (20) पुत्र सुरेश प्रजापति, विकास प्रजापति (22) पुत्र सेवालाल प्रजापति के साथ बात कर रहे थे। उसी दौरान ट्रक ने सभी को रौंद दिया। ट्रक की टक्कर लगने पर चारो युवक काफी दूर जा गिरे। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में सभी चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई और लोग आक्रोशित हो गए। उधर, हादसे की सूचना पर देहात कोतवाल राणा प्रताप यादव मौके पर पहुंचे। एएसपी सिटी नितेश सिंह ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रात में ही पोस्टमार्टम कराया गया। राकेश के चचेरे भाई मनोज सिंह ने तहरीर देकर बताया कि बाइक सवार राकेश सिंह समोगरा ओवरब्रिज के पास तीन साथियों से बात कर रहे थे, उसी दौरान ट्रक ने टक्कर मार दिया। इस हादसे चार लोगों की मौत हो गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। देहात कोतवाल राणा प्रताप यादव ने बताया कि ट्रक के टक्कर से बाइक सवार युवक समेत चार लोगों की मौत हो गई।

फंदे से लटकर दो युवकों ने दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन/विंढमगंज। जिले के कोन एवं विंढमगंज थाना क्षेत्र में बीते 24 घंटे में दो युवकों ने फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। घटना से होली की खुशी

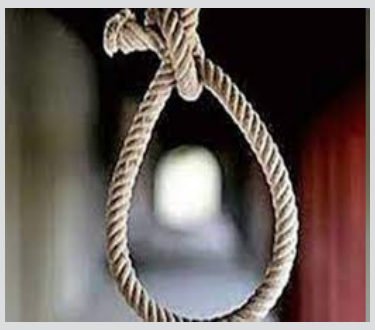

मातम में बदल गई। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवकों ने आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी है।पहली घटना कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचनरवा के टोला किशुनटोला की बताई जा रही है। गांव निवासी मनोज कुमार (19) पुत्र स्व. जगरनाथ चेरो ने अपने ही घर में गमछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि रविवार की देर रात मृतक की मां जीवकलिया देवी ने सूचना दी कि उसका लड़का घर में फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली है। जिसकी सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया। आत्महत्या करने के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।दूसरी घटना विंढमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत केवाल की बताई जा रही है। जहां सोमवार की देर रात बुद्धिराम (30) पुत्र भोला गोंड घर से महज 20 मीटर दूर अमरूद के पेड़ में फांसी लगाकर जान दे दी। घरवालों के मुताबिक मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था। होली खेल कर देर रात शराब के नशे में घर आया था। खाना खाने के बाद परिजन सो गए। सुबह परिजन जब सोकर उठे तो घर से कुछ दूरी पर ही बुद्धिराम का शव अमरूद के पेड़ से गमछा के सहारे लटकता हुआ दिखाई दिया। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम बिहारी ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। ग्राम प्रधान दिनेश यादव ने बताया कि मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था।

सामाजिक समता, सौहार्द व उल्लास का प्रतीक है होली पर्व आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडालको रेनूसागर पावर डिवीजन परिसर इंटर कालेज मैदान स्थित होलिका दहन के साक्षी बने हजारों दर्शकों ने होलिका दहन होते ही

आतिशबाजी के साथ ढोल, झाझ, मजीरे की थाप पर देर रात तक कर्मचारियों युवाओं ने होली गीत गाए। होलिका दहन के पूर्व मुख्य अतिथि रेनूसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड आर पी सिंह ने सपतनेक विधि विधान, वैदिक रीति रिवाज व मंत्रोचार के साथ पूजन हवन किय। उक्त पूजा हनुमान मंदिर के वरिष्ठ पुजारी मनोज पांडे द्वारा कराया गया। होली के दिन ऑडिटोरियम परिसर स्थित लॉन में रेणुपावर फ़ीनिक्स क्लब द्वारा होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया,कार्यक्रम शुरुआत के पूर्व रेणुपावर फ़ीनिक्स क्लब के जनरल सेक्रेटरी ललित खुराना ने उपस्थित अतिथियो का स्वागत करते हुए सभी को होली की बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियो ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली खेली तथा खुशियों का इजहार किया,ततपश्चात ढोलक मजीरे की थाप पर होली के दीवानों मस्तानो ने फ़ाग गीत गाकर खूब थिरके व क्लब द्वारा आयोजित पकौड़ी, लड्डू, गोझिया व ठंढई का खूब जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर रंग व अबीर से सरोबार यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि होली हमारे देश की सनातन परंपरा का प्रमुख पर्व है सामाजिक समता, सौहार्द व उल्लास का प्रतीक यह पर्व सभी लोगों को मंगलमय हो, होली का यह पर्व हमें अधर्म असत्य एवं अन्याय जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों से लड़ने की प्रेरणा देते हैं हमारे हिंदू धर्म के त्योहारों में शोक संताप का कोई स्थान नहीं है, लेकिन हषील्लास के प्रतीक इन पर्वों में जोश के साथ होश भी आवश्यक है, हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे दूसरे की क्षति हो, हमें अपने त्यौहार की पवित्रता एवं मर्यादा बनाए रखना है। हमारे त्यौहार हमेशा सत्य एवं न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं साथ ही साथ अनेकता में एकता के प्रतीक भी है । होलिका दहन बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक पर्व है। इसी क्रम में अबीर व रंगो से सरोबार मानव संसाधन प्रमुख शैलेश विक्रम सिंह, ने उपस्थित सभी अधिकारियो , कर्मचरियो को होली की बधाई देते हिये कहा कि होलिका दहन के साथ सभी बुराई , अहंकार और नकारात्मकता जलकर नष्ट हो जाते है और लोग एक दूसरे के गले लग कर सारे गीले शिकवे भुला देते है ,इस लिए सभी को मिलजुल कर आपसी सद्भाव के साथ यह त्यौहार मनाना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से मयंक श्रीवास्तव,मनीष सिंह,संजय श्रीमाली,समीर आनंद,प्रणव सोनी,वुमार हर्षवर्धन,दीपक पांडेय,राजेश सैनी,मृदुल भरद्वाज सहित सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

हाईस्कूल की छात्रा ने भटौली पुल से गंगा में कूदकर दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कछवां। देहात कोतवाली क्षेत्र के भटौली गांव निवासी हाईस्कूल की छात्रा ने होली के दिन सोमवार को दोपहर में भटौली पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। कोतवाली पुलिस ने स्थानीय मछुआरों की मदद से मंगलवार को सुबह नौ बजे शव बरामद किया।भटौली गांव की रहने वाली हाईस्कूल की छात्रा मंजू बिंद (16) पुत्री राजेश बिंद ने होली के दिन सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे भटौली पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। वहां मौजूद जौसरा गांव के युवकों ने किशोरी को नदी में कूदते देख दौड़े। हालांकि तब तक छात्रा ने गंगा नदी में छलांग लगा दी। युवकों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से किशोरी की खोजबीन की, परंतु उसका पता नहीं चल सका। मंगलवार को सुबह पुलिस ने खोजबीन कर शव बरामद किया। छात्रा के पिता राजेश बिंद ने बताया कि पुत्री का बीएचयू से इलाज चल रहा था।

महिला की हत्या कर शव खेत में फेंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन। जुगैल थाना क्षेत्र के चौरा बिजौरा गांव में संदिग्ध हाल में महिला का शव खेत में पाया गया। पति से विवाद के कारण महिला तीन साल से मायके में रह रही थी। घटना से एक दिन पहले पति उससे मिलने आया था। आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर महिला का शव खेत में फेंका गया है। पुलिस जांच में जुटी है। पति की तलाश की जा रही है।चौरा बिजौरा निवासी रीता (28) की शादी वर्ष 2015 में सेमिया गांव निवासी अमरेश के साथ हुई थी। दोनों को तीन बच्चे हैं। परिजनों के मुताबिक पति से विवाद के कारण रीता पिछले तीन वर्षों से अपने मायके में रह रही थी। होलिका दहन की रात (रविवार) अमरेश चौरा बिजौरा आया था। यहां कुछ देर रुकने के

बाद चला गया। सोमवार को दोपहर बाद रीता की लाश गांव के बाहर अरहर के खेत में पड़ी मिली। उसके गर्दन व पीठ पर खरोंच के निशान थे। सूचना पाकर सीओ ओबरा डॉ. चारु द्विवेदी और एएसपी कालू सिंह मौके पर पहुंचे। छानबीन के बाद शव को कब्जे में ले लिया। एएसपी ने बताया कि महिला की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका है। परिवार और गांव के लोग पति अमरेश पर ही शक जता रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पति की तलाश की जा रही है।

जंगली भौरों के हमले में पुजारी की मौत, छह घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुद्धी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत तुर्रीडीह के गौरसिंहा में सोमवार को जंगली भौरों के हमले से बैगा पुजारी की मौत हो गई। हमले में छह अन्य ग्रामीण घायल हुए। होली पर आदिवासी समाज की पारंपरिक पूजा के दौरान घटना हुई। काफी देर तक गांव में अफरा-तफरी मची रही। लोगों ने किसी तरह घरों में बंद कर खुद को भौरों से बचाया।ग्राम प्रधान विद्वंत कुमार घसिया ने बताया कि गांव में रविवार की रात होलिका दहन हुआ। सोमवार को सुबह गांव के लोग गौरसिंहा स्थित डीहवार बाबा पर होलिका की धूल उड़ाकर होली खेल रहे थे। पीपल पेड़ के नीचे स्थित

डीहवार बाबा के धाम पर ग्रामीणों को बैठाकर बैगा रामकिशुन (54) पूजा पाठ संपन्न करा रहे थे। इस बीच पीपल के पेड़ के ऊपर छत्ता लगाए जंगली भौरों ने हमला बोल दिया। अचानक भौरों के हमले से भगदड़ मच गई। भौरों ने दौड़ा-दौड़ा कर लोगों को डंक मारा। हमले में रामदेव, रामकिशुन, मानिक, रामसुंदर, केवल, नंदू, राम प्रसाद जख्मी हुए। इसमें रामदेव की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी लाते समय रास्ते में मौत हो गई। चिकित्सकों के मेमो व ग्राम प्रधान की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शेष सभी घायलों को गांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज कराया गया।

आपसी विवाद में चटकी लाठियां, एक युवक गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुद्धी। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के डूमरडीहा गांव में मंगलवार की देर शाम घरेलू विवाद में सगे पट्टीदारों में जमकर लाठियां चली। मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ। मंगलवार की देर शाम राजमन व उसकी पत्नी बिंदू ने आपसी विवाद में पट्टीदार हरिदास को मारपीट कर घायल कर दिया। मौके पर पुलिस ने पहुंच कर गंभीर रूप से घायल युवक को सीएचसी में प्राथमिक उपचार कराया। चिकित्सकों ने गंभीर हालात को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल युवक के भतीजा त्रिपुरारी के तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।

मायके में रह रही विवाहिता का खेत में मिला शव, घटना से पहले पति से हुई थी मुलाकात; हत्या की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में एक महिला का शव खेत में मिला। वह पति से विवाद के चलते तीन साल से मायके में रह रही थी। होलिका दहन वाली रात में उसका पति मिलने आया था। अगले ही दिन हुई घटना को लेकर लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। सोनभद्र जिले के जुगैल थाना क्षेत्र के चौरा बिजौरा गांव में संदिग्ध हाल में महिला का शव खेत में पाया गया। पति से विवाद के कारण महिला तीन साल से मायके में रह रही थी। घटना से एक दिन पहले पति-पत्नी को साथ देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर महिला का शव खेत में फेंका गया है। पुलिस जांच में जुटी है। चौरा बिजौरा निवासी रीता (28) की शादी वर्ष 2015 में सेमिया गांव निवासी अमरेश के साथ हुई थी। दोनों को तीन बच्चे हैं। परिजनों के मुताबिक पति से विवाद के कारण रीता पिछले तीन वर्षों से अपने मायके में रह रही थी। होलिका दहन की रात (रविवार) अमरेश चौरा बिजौरा आया था। यहां कुछ देर रुकने के बाद चला गया।

होली पर ढोल-मजीरे की थाप पर जमकर थिरके युवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। रंगों का होली सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही युवाओं की टोली ढोल, नगाड़े की थाप पर थिरकते हुए गलियों में घूमने लगी। गांवों में

बड़े, बुजुर्ग ढोल, मजीरे और हारमोनियम की थाप पर फाग गीत गाते दिखे।नगर के सिविल लाइंस, रमईपट्टी, पक्कापोखरा, शुक्लहा, स्टेशन रोड, महुवरिया, संगमोहाल, इमरती रोड, बाजीराव कटरा, गणेशगंज, तेलियागंज, मुकेरी बाजार, धुंधीकटरा, बसनई बाजार, त्रिमुहानी, घंटाघर, वासलीगंज सहित क्षेत्रों डीजे की धुन पर रंग से सराबोर युवाओं की टोली थिरकती रही। नगर के तुलसी चौक और मुकेरी बाजार स्थित चौराहे और तिराहों पर युवाओं की टोली एक दूसरे को दौड़ा दौड़ाकर रंग लगाते दिखी। नगर और ग्रामीण अंचलों में अधिकांश स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। रंग खेलने के दोपहर बाद नए परिधानों में सज कर लोग अबीर और गुलाल लेकर अपने ईष्ट मित्रों के घर पहुंचे और गुझिया के मिठास के साथ एक-दूसरे से गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। जिगना बाजार तथा गांवों में होलिका दहन के बाद से ही बच्चे और युवा पिचकारी, रंग और अबीर गुलाल लेकर टोली के साथ निकल पड़े। भांग की ठंठई, होली गीतों पर झूमते गाते लोग सामने जो भी नजर आया, उसे रंगों से सराबोर किया। दोपहर बाद ईष्ट-मित्रों के घर पहुंचकर लोगों ने अपने बड़ों को अबीर और गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिया तथा गुझिया के अलावा तरह-तरह के व्यंजन का आनंद लिया। उधर, होली पर सोमवार को ग्रामीण अंचलों में भी जमकर रंग बरसे। दोपहर बाद गांवों में खूब अबीर और गुलाल उड़े। अधिकांश स्थानों पर फगुआ गीत के साथ ही कई जगह आर्केस्ट्रा का आयोजन हुआ। देर शाम तक लोगों ने आनंद उठाया। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के खजुरी, हरिहरपुर बेदौली, चेरुईराम, देवापुर पचवल, राजपुर, धौरुपुर, आमघाट, भेंवरकरमनपुर, देवरी, अघवार, दुबेपुर, दुल्लहपुर, रायपुर पोख्ता, शाहपुर चौसा, करतरन, भिष्कुरी, जसोवर, बरकछा, अमोई, टांड़, बिकना, भटौली, जिउती, महेंवा, अनंतरामपट्टी आदि गांवों में लोगों ने धूमधाम से होली मनाई। इस दौरान कहीं फगुआ तो कहीं आर्केस्ट्रा का लोगों ने आनंद उठाया। छानबे क्षेत्र के बेलवरिया, फगुआ, चैता आदि गीत का आयोजन किया गया। त्योहार पर लोगों ने भांग, ठंडई और गोझिया का आनंद उठाया।पड़री बाजार के अलावा पैड़ापुर, भगेसर, छटहा, कनौरा, नान्हूपुर, भरपुरा, डाढ़ीराम, अकसौली, सिकरी रामनगर, कनौरा, अमिरती, मोहनपुर भवरख आदि क्षेत्रों में धूमधाम मनाई गई। कछवां नगर पंचायत के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी होली हर्षोल्लास से मनाई गई। बरैनी, कछवां बाजार, जमुआ बाजार, जलालपुर बाजार में डीजे की धुन पर युवाओं की टोली थिरकते दिखी। लालगंज क्षेत्र में दोपहर तक युवा डीजे पर बज रहे गाने की धुन पर नृत्य करते दिखे।

केकेआर को चैंपियन बनाने के बाद हर्षित राणा दो आरोपों में बुरी तरह फंसे, मैच रेफरी ने ठोका भारी जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइटराइडर्स के आखिरी ओवर के हीरो हर्षित राणा को आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन पर मैच फीस का 60 प्रतिशत जुर्माना ठोका गया। राणा ने मयंक अग्रवाल और हेनरिच क्लासेन को विकेट लेने के बाद गुस्से में डगआउट की राह दिखाई थी। कोलकाता नाइटराइडर्स के आखिरी ओवर के हीरो हर्षित राणा को मैच में दो गलतियां करना भारी पड़ गया। हर्षित राणा ने मयंक अग्रवाल और हेनरिच क्लासेन के विकेट लेने के बाद बहुत आक्रामक तरीके से जश्न मनाया। इसका खामियाजा तेज गेंदबाज को भुगतना पड़ा। मैच रेफरी ने राणा पर मैच फीस का 60 प्रतिशत जुर्माना ठोका है। राणा एसआरएच के खिलाफ केकेआर की जीत के हीरो रहे। युवा तेज गेंदबाज ने शनिवार को आईपीएल 2024 के तीसरे मैच में केकेआर के लिए हीरो की भूमिका निभाई और एसआरएच के खिलाफ रोमांचक मैच में टीम को 4 रन से जीत दिलाई। हालांकि, हर्षित राणा का प्रदर्शन उनके व्यवहार के सामने थोड़ा फीका पड़ता दिखा। हर्षित राणा ने मयंक अग्रवाल को आउट करने के बाद उन्हें फ्लाइंग किस दी थी, जिसकी महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करने के दौरान आलोचना भी की थी। फिर उन्होंने क्लासेन का विकेट लेकर भी बेहद जोशीले अंदाज में जश्न मनाया। आईपीएल ने बयान जारी करके बताया कि हर्षित राणा ने आईपीएल की आचार संहिंता के आर्टिकल 2.5 के अंतर्गत दो लेवल 1 अपरान किए और इसके लिए उन पर मैच फीस का क्रमशः 10 और 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। बयान में यह भी कहा गया कि तेज गेंदबाज ने मैच रेफरी द्वारा लगाए आरोपों को स्वीकार कर लिया है। केकेआर को जीत दिलाने में हर्षित राणा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर के अपने स्पेल में 33 रन देकर तीन विकेट झटके। तेज गेंदबाज ने आखिरी ओवर में सनराइजर्स हैदराबाद को 13 रन बनाने से रोक दिया। हर्षित राणा के लिए केकेआर की यात्रा आगे सफल हो सकती है। उन्हें इसी प्रकार का प्रदर्शन आगे भी जारी रखना होगा।

17वें ओवर से मैं परेशान सांस रोक देने वाले मैच मे सनराइजर्स हैदराबाद से मिली जीत के बाद बोले कोलकाता के कप्तान अय्यर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2024 के अपने पहले मैच में 4 रन से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। इस मैच में केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर बल्ले से फ्लॉप रह। वह 2 गेंदों पर शून्य पर ही आउट हुए। इसके बाद उन्होंने शानदार कैप्टेंसी का नजारा पेश किया और हैदराबाद के मुंह से आखिरी ओवर में जीत छीन ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए आईपीएल 2024 में उनका पहला मैच बतौर बैटर्समैन कुछ खास नहीं रहा। वह अपना खाता तक नहीं खोल पाए लेकिन उन्होंने शानदार कैप्टेंसी के जरिए केकेआर को 4 रन से जीत दिलाई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच के बाद क्या कहा आइए जानते हैं केकेआर ने इस मुकाबले का रुख आखिरी ओवर में पलटा। मैच खत्म होने के बाद श्रेयस अय्यर ने इस रोमांचक मैच में मिली जीत पर खुशी जाहिर की और कहा कि 17वें ओवर से ही उनके पेट में हलचल मच गई थी। उन्हें लग रहा था कि मैच किसी भी ओर जा सकता है। आखिरी ओवर में हैदराबाद को जीत के लिए 13 रन की दरकार थी, लेकिन हर्षित ने आखिरी ओवर में दो विकेट लेकर मैच केकेआर को जिताया। दरअसल, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच के बाद हुई पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि मैंने हर्षित राणा पर भरोसा जताया। मुझे उन पर पूरा विश्वास था और मैंने उनसे कहा था कि वह पूरा समर्थन करें और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या होता है। श्रेयस ने आगे कहा कि हां 17वें ओवर के बाद से मैं थोड़ा परेशान हो गया था। आखिरी ओवर में 13 रन चाहिए थे, जहां हमें हर्षित पर भरोसा था। उनके पास हीरो बनने का मौका था और उसने वो काम किया। शुरुआत में वह थोड़ा नर्वस था, लेकिन मैंने उससे बात की और फिर उन्हें विश्वास दिया कि वह हार जीत अपनी जगह है पर आप गेंदबाजी पर ध्यान दीजिए।अय्यर ने आंद्रे रसेल की तूफानी बैटिंग पर कहा कि आज जिस तरह से उन्होंने गेंद और बल्ले से कमाल का काम किया, उससे टीम को काफी आत्मविश्वास मिला।जब आप जीत के साथ शुरुआत करते हैं तो यह आपको हमेशा प्रेरणा देता है। यह खेल हमें बहुत कुछ सीखने को देता है। हम इस मैदान से बहुत कुछ सीखेंगे।

प्रीतिं जिंटा ने पंजाब किंग्स की जीत के बाद स्टेडियम में लूटी महफिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से हराया। टीम की इस जीत में सैम करन ने अहम योगदान दिया। उनके अलावा लिविंगस्टन ने नाबाद 38 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। पंजाब किंग्स की धांसू जीत के बाद टीम की को-ओनर प्रीतिं जिंटा काफी खुश हुई और उन्होंने फ्लाइंग किस देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली धांसू जीत के बाद पंजाब किंग्स की को-ओनर प्रीति जिंटा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आईपीएल 2024 के दूसरे मैच में प्रीति जिंटा अपनी टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट करने के लिए मुल्लांपुर पहुंची थी। जहां पंजाब की जीत के बाद प्रीति जिंटा स्टेडियम में खिलाडियों को फ्लाइंग किस देते हुए नजर आई। उनका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रीति जिंटा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह पंजाब किंग्स की दिल्ली कैपिटल्स क खिलाफ जीत के बाद फ्लाइंग किस देते हुए नजर आ रही हैं। बता दें कि डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा सफेद रंग की कुर्ती और लाल चुनने पहने पंजाब किंग्स को सपोर्ट करने पहुंची थी। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है। अगर बात करें मैच की तो पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से हराया। ऋषभ पंत की वापसी दिल्ली कैपिटल्स के लए अच्छी नहीं रही। आईपीएल 2024 के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स ने नए मैदान पर जीत के साथ अपने अभियान क आगाज किया। दिल्ली ने पहले बैटिंग की और पंजाब के सामने वह बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही। पूरे 20 ओवरों में टीम 8 विकेट खोकर 174 रन ही बना सकी, जिसे पंजाब किंग्स ने सैम करन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के दम पर 20वें ओवर में हासिल किया।

कोहली-रोहित के नाम रहे यह सीजन, इस युवा खिलाड़ी की चमके किस्मत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।आईपीएल 2024 का रोमांच आज से शुरू होने जा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां सीजन अपने आप में खास होने वाला है। इस साल कई खिलाडयों का करियर दांव पर है, जिसमें सबसे बड़ा नाम विराट कोहली का है। आईपीएल 2024 को लेकर इरफान पठान ने अपनी विशलिस्ट शेयर की है। इरफान की चाहत है कि इस सीजन विराट कोहली और रोहित शर्मा बल्ले से जमकर धमाल मचाएं। इसके साथ ही पूर्व गेंदबाज को उम्मीद है कि रियान पराग भी इस सीजन कुछ खास कमाल करके दिखाएं। टूर्नामेंट के पहले मैच में चेनर्ई सुपर किंग्स की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ होनी है। कोहली इस सीजन बल्ले से धमाल मचाकर भारत की टी-20 वर्ल्ड कप टीम के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

वहीं, कई युवा प्लेयर्स के प्रदर्शन पर भी इस सीजन निगाहें रहने वाली हैं। इस बीच, इरफान पठान ने आईपीएल 2024 को लेकर अपनी विशलिस्ट शेयर की है। इरफान पठान ने अपने एक्स अकाउंट पर आईपीएल 2024 को लेकर अपनी विशलिस्ट शेयर की है। पठान की पहली चाहत यह है कि विराट कोहली के लिए यह उनके करियर का दूसरा सबसे बेस्ट आईपीएल सीजन बीते। बता दें कि साल 2016 किंग कोहली के लिए इस लीग में सबसे दमदार साल रहा है। आईपीएल 2016 में विराट के बल्ले से 973 रन निकले थे। भारत के पूर्व ऑलराउंडर की दूसरी विश है कि रोहित शर्मा के लिए यह सीजन उनके करियर का बेस्ट सीजन हो। हिटमैन का बल्ले से इस लीग में सबसे शानदार साल 2013 रहा था, जहां उन्होंने 538 रन ठोके थे। इरफान को उम्मीद है कि रियान पराग और अब्दुल समद इस सीजन दमदार प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही पूर्व गेंदबाज की चाहत है कि दिल्ली के युवा खिलाड़ी कुमार कुशाग्र पहले ही सीजन में अपनी चमक बिखेरने में सफल रहें। इरफान पठान की आखिरी विश यह है कि आईपीएल 2024 में धमाल मचाकर कोई भारतीय गेंदबाज व्हाइट बॉल क्रिकेट टीम में वापसी करने में सफल रहे। टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए आईपीएल का यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की दहलीज पर खड़े एमएस धोनी सिर्फ चार बार दोहराना होगा अपना पसंदीदा काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।आईपीएल 2024 से ठीक पहले एमएस धोनी ने चेनर्ई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी है। इस सीजन माही बतौर खिलाड़ी अपने जौहर दिखाते हुए नजर आएंगे। कप्तानी के बोझ से फ्री हो चुके धोनी से फैन्स को लंबे-लंबे सिक्स की एकबार फिर से आस होगी। आईपीएल 2024 का आगाज आज से होने जा रहा है। टूर्नामेंट के पहले मैच में चेनर्ई सुपर किंग्स की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ होनी है। एमएस धोनी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही सीएसके की कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ के हाथों में सौप दी है। बतौर विकेटकीपर माही एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड को अपने नाम करने की दहलीज पर खड़े है। इसके साथ ही हर कोई विकेट के पीछे माही

की चीते सी फुर्ती देखने को भी बेकरार है। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में धोनी के पास वो मुकाम हासिल करने का मौका होगा, जहां आजतक कोई नहीं पहुंच सका है। एमएस धोनी दरअसल, आईपीएल में बतौर विकेटकीपर धोनी ने 138 कैच लपके हैं, जबकि 42 बार बल्लेबाज को स्टंप करते हुए पवेलियन की राह दिखाई है। आईपीएल में सबसे ज्यादा शिकार करने का रिकॉर्ड आईपीएल 2024 में एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड को अपने नाम करेंगे। माही के नाम है। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में अगर धोनी विकेट के पीछे से चार और बैटर्स की पारी का अंत करने में सफल रहते हैं, तो वह टी-20 क्रिकेट में 300 शिकार करने वाले दुनिया के पहले विकेटकीपर बन जाएंगे। धोनी ने फटाफट क्रिकेट में अब तक कुल 296 शिकार किए हैं और वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। माही के बाद इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक का नाम दर्ज है, जिन्होंने विकेट के पीछे से कुल 276 शिकार किए है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल का नाम दर्ज है। माना जा रहा है एमएस धोनी आईपीएल 2024 में बतौर खिलाड़ी आखिरी बार नजर आएंगे। पिछले सीजन के अंत में धोनी ने कहा था।

धोनी को कप्तान बनाने के लिए बीसीसीआई से सचिन तेंदुलकर ने की थी सिफारिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 से पहले ही एमएस धोनी ने सीएसवेक की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। टीम ने युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया। एमएस धोनी ने चेनर्ई सुपर किंग्स को पांच बार आईपीएल में चैंपियन बनाया है। वहीं, तीन बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले भारत के एकमात्र कप्तान हैं। जियो सिनेमा से बात करते हुए सचिन ने कहा कि कैसे उन्होंने 2007 में कप्तानी से इनकार कर दिया और इसवेक लिए एमएस धोनी की सिफारिश की थी। उन्होंने धोनी को कप्तान बनाने के कारण भी बताए थे। सचिन ने कहा था कि धोनी का दिमाग स्थिर है वह शांत और सहज रहते हैं। सचिन ने कहा कि इस वजह से मैंने बीसीसीआई से सिफारिश की

थी। एमएस धोनी ने भारत को साल 2007 टी20 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनाया। इसके साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप में 28 सालों का सूखा खत्म किया था। 2013 में इंग्लैंड में अंग्रेजों को हराकर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। सचिन ने खुलासा किया है कि धोनी को कप्तान बनाने के लिए बीसीसीआई को उन्होंने सलाह दी थी। जियो सिनेमा से बात करते हुए सचिन ने कहा कि कैसे उन्होंने 2007 में कप्तानी से इनकार कर दिया और इसके लिए एमएस धोनी की सिफारिश की थी। उन्होंने धोनी को कप्तान बनाने के कारण भी बताए थे। सचिन ने कहा था कि धोनी का दिमाग स्थिर है, वह शांत और सहज रहते हैं। सचिन ने आगे कहा, एमएस धोनी के बारे में मेरा प्रेडिक्शन बहुत अच्छा रहा है क्योंकि मैं स्लिप में फील्डिंग करता रहा हूं, मैंने उनसे कई बार बातचीत की है। हमेशा, मैं उनसे पूछता था, अभी आपने क्या किया होगा?' और उत्तर संतुलित थे। वह बहुत सहज है, सही निणय्य लेते हैं, उस समय मैंने बीसीसीआई अध्यक्ष से उनकी सिफारिश की कि आपको उन पर विचार करना चाहिए।

जीत की दहलीज पर पहुंचकर भी कोलकाता नाइट राइडर्स से मिली करारी हार के बाद टूटा कप्तान पैट कमिंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केकेआर के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि यह काफी करीबी मुकाबला था, लेकिन हम मैच जीत नहीं सके। हेनरिक क्लासेन काफी शानदार बल्लेबाज था और उनके द्वारा खेली गई आज की पारी कमाल की थी। मैं टॉस जीतकर गेंदबाज करने पर खुश था, लेकिन हमने अंत में काफी रन दे दिए थे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। केकेआर ने आईपीएल 2024 के तीसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 4 रन से हराया। 209 रन का पीछा करते हुए हैदराबाद की टीम ने 20 ओवर में 204 रन बनाए। मैच में मिली हार के बाद कप्तान पैट कमिंस का दिल टूट गया। उन्होंने मैच के बाद क्या कहा आइए जानते हैं। आईपीएल 2024 का तीसरा मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा, जहां आखिरी गेंद में पूरा मैच पलट गया। सनराइजर्स हैदराबाद को केकेआर ने 4 रन से हराया। आंद्रे रसेल की पारी के दम पर केकेआर को जीत मिली। रसेल ने 25 गेंदों पर नाबाद 64 रन की आतिशी पारी खेली। उनके

अलावा फिल सॉल्ट के ल्ले से 54 रन की पारी निकली। इस तरह केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 209 रन का लक्ष्य दिया। हैदराबाद की तरफ से हेनरिक क्लासेन ने 63 रन की पारी खेली, लेकिन उनकी पारी टीम के काम नहीं आई। सनराइजर्स हैदराबाद 20 ओवर में 204 रन बना सकी और केकेआर ने 4 रन से यह मुकाबला जीत लिया। हैदराबाद की हार के बाद कप्तान पैट कमिंस का दिल टूट गया। दरअसल, केकेआर के खिलाफ मिली करारी हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि अंत में हम जीत की दहलीज पर पहुंच चुके थे, लेकिन दुर्भाग्य से जीत हमारे नसीब में नहीं थी। हमने जिस तरह से गेंदबाजी की उससे मैं वास्तव में खुश हूं। जाहिर तौर पर आंद्रे रसेल अंत में वहीं करता है जो आंद्रे रसेल करता है। उसे रोकना काफी मुश्किल हो जाता है। कुल मिलाकर, मुझे लगा कि हमने अच्छा काम किया। आप अपी योजना बनाते हैं, आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं, लेकिन गेंदबाजी करना वो भी आखिरी ओवर में इस तरह काफी कठिन होता है। इसेक साथ ही पैट कमिंस ने कहा कि हमें मैच में वापस लाने का काम हेनरिक क्लासेन और शाहबाद अहमद ने किया। किसने सोचा होगा कि हम इतने करीब आ जाएंगे। दुर्भाग्य से हमें जीत नहीं मिली। ऐसे खेल में जहां हम वास्तव में सब कुछ एक साथ नहीं कर पाए, फिर भी हमने उनके घरेलू मैदान पर एक बहुत अच्छी टीम के खिलाफ लगभग पूरी टक्कर के साथ खेला। बहुत से लोगों को प्रोत्साहित किया जाना था, बहुत सारे अच्छे प्रदर्शन करने वाले थे, कुछ कमियों पर भी काम करना था। टॉस जिस तरह हुआ उससे खुश हूं।

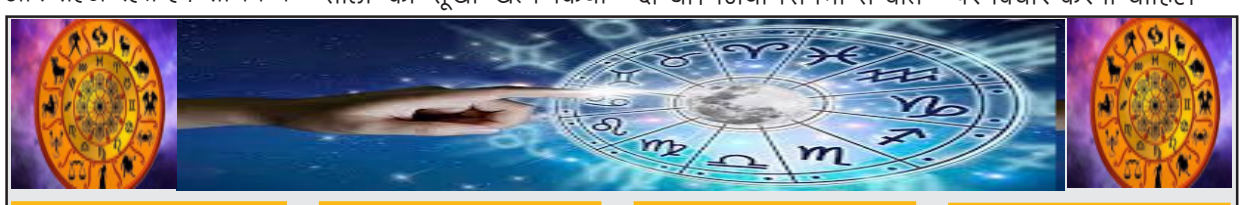

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

भारत में चुनावों की शुरुआत अंग्रेज ही कर गए थे

सबसे शुरुआती चुनावों में से एक 1892 का चुनाव था, जिसने भारत में प्रतिनिधि सरकार की शुरुआत को चिह्नित किया। 1909 और 1921 के चुनाव भी महत्वपूर्ण थे, क्योंकि वे शासन में भारतीयों की भागीदारी को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा शुरू किए गए संवैधानिक सुधारों का हिस्सा थे। भारत की धरती पर इन संस्थाओं के क्रमिक विकास का इतिहास ईसा से हजारों साल पहले से मौजूद है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में सभा (सामान्य सभा) और समिति (बुजुर्गों का घर) का उल्लेख मिलता है। इसके अलावा, ऐतरेय ब्राह्मण, पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, महाभारत, अशोक स्तंभ शिलालेख, बौद्ध और जैन ग्रंथ और अन्य ग्रंथों के अलावा हमारे इतिहास में उत्तर-वैदिक काल के दौरान कई गणराज्यों के अस्तित्व प्रमाण मौजूद हैं। लेकिन जहां तक हमारी आधुनिक संसदीय शासन प्रणाली और विधायी संस्थाओं का उद्भव तथा विकास का सवाल है तो इसे ब्रिटिश राज की विरासत जरूर माना जाएगा। भारत में 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत के शासन की बागडोर अपने हाथ में लिए जाने के बाद शुरू हुए प्रशासनिक सुधारों के साथ चुनावों की शुरुआत हो गई थी। सबसे शुरुआती चुनावों में से एक 1892 का चुनाव था, जिसने भारत में प्रतिनिधि सरकार की शुरुआत को चिह्नित किया। 1909 और 1921 के चुनाव भी महत्वपूर्ण थे, क्योंकि वे शासन में भारतीयों की भागीदारी को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा शुरू किए गए संवैधानिक सुधारों का हिस्सा थे। 1919 के अधिनियम के तहत, इंपीरियल एसेंबली का विस्तार किया गया और एक द्विसदनीय विधायिका की शुरुआत की गई। निचला सदन 144 सदस्यों की विधान सभा थी, जिसमें से 104 निर्वाचित होते थे और 40 तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नामांकित होते थे। ऊपरी सदन राज्यों की परिषद थी जिसमें 34 निर्वाचित और 26 नामांकित सदस्य होते थे और कार्यकाल पांच वर्ष का होता था। 1919 के अधिनियम में प्रशासन के विषयों को केंद्रीय और प्रांतीय के रूप में वर्गीत करने और प्रांतीय विषयों के संबंध में स्थानीय सरकारों को अधिकार हस्तांतरित करने का भी प्रावधान था और उन सरकारों को राजस्व और अन्य धन के आवंटन के लिए। ब्रिटिश शासन में जनता की भागीदारी के लिए चुनाव अवश्य हुए मगर इनमें जनता का वास्तविक प्रतिनिधित्व केवल नाममात्र का था और शासन पर असली नियंत्रण ब्रिटिश हुकूमत का ही था। सन् 1861 के इंडियन काउंसिल एक्ट ने भारत में विधान परिषदों के लिए चुनाव का एक सीमित रूप पेश किया कर दिया था। हालांकि, उस व्यवस्था के तहत मतदाता वर्ग बहुत छोटा था, जिसमें मुख्य रूप से धनी और प्रभावशाली व्यक्ति शामिल थे। उसके बाद 1892 के इंडियन काउंसिल एक्ट ने मताधिकार को थोड़ा विस्तारित किया, जिससे अपेक्षाकृत एक बड़े वर्ग के मतदाताओं को मतदान की अनुमति मिली। इससे विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में भी वृद्धि हुई। इसी कड़ी में इंडियन काउंसिल 1909 (मॉर्ले-मिंटो सुधार) एक्ट एक महत्वपूर्ण सुधार था। जिसने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों की शुरुआत की जिसका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विरोध स्वरूप चुनाव का वहिष्कार किया था। उस समय विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई थी। हालांकि, अधिकांश सदस्य अभी भी निर्वाचित होने के बजाय नियुक्त किए गए थे। उसके बाद 1919 का भारत सरकार अधिनियम (मोंटेगु-चेम्सफोर्ड सुधार) ने निर्वाचित भारतीय जन प्रतिनिधियों और ब्रिटिश अधिकारियों के बीच सरकार की शक्तियों को विभाजित करते हुए द्वैध शासन की अवधारणा पेश की। इसने मताधिकार का भी विस्तार किया, हालांकि यह मताधिकार भी संपत्ति की योग्यता के आधार पर सीमित था।शासन में जनता की भागीदारी के लिहाज से 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने विधान परिषदों की शक्तियों का और विस्तार किया और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की। इसने मताधिकार का भी उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया, हालांकि इसमें अभी भी संपत्ति की योग्यता और अन्य कारकों के आधार पर सीमाएं थीं। इसी भारत सरकार अधिनियम-1935 के तहत भारत में 1937 में पहले बड़े चुनाव हुए थे। इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कई प्रांतों में बहुमत हासिल किया। इस पूरी अवधि के दौरान, भारत में चुनावों का दायरा सीमित था और वे पूरी तरह से लोकतांत्रिक सिद्धांतों को प्रतिबिंबित नहीं करते थे। हालांकि, इन चुनावों ने स्वतंत्रता के बाद भारत में लोकतांत्रिक संस्थानों के विकास की नींव रखी।भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने संघीय और प्रांतीय स्वायत्तता पेश की और केंद्र और प्रांतों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण के लिए भी प्रावधान किए।

इस्लामी पड़ोसियों से परेशान पाकिस्तान, अचानक मित्र बन गए शत्रु

पाकिस्तान के कुछ पड़ोसी, जो दशकों से मित्र थे, अचानक शत्रु बन गए। ईरान और अफगानिस्तान से हाल ही में पाकिस्तान की झड़प हो चुकी है, जबकि पिछले कुछ वर्षों से भारत-पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर युद्धविराम लागू करने का निर्णय लिया, जिसके कारण कई वर्षों से सीमा पर माहौल शांतिपूर्ण है। लोक ज्ञान कहता है कि कोई भी देश अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकता, उसे अपने पड़ोसियों के साथ सह-अस्तित्व में रहना होता है। वर्ष 2023 में पाकिस्तान के कुछ पड़ोसी, जो दशकों से मित्र थे, अचानक शत्रु बन गए, जबकि जिसे उसने हमेशा अपना दुश्मन माना, वह अच्छा मित्र बन सकता है। पाकिस्तान चार देशों से घिरा है, जिनमें से दो-ईरान और अफगानिस्तान इस्लामी मुल्क हैं। बाकी दो देश हैं-उसका सबसे करीबी सहयोगी चीन और उसके पूर्व में भारत, जिसके साथ नियंत्रण रेखा पर लगातार झड़पें होती रहती हैं। भारत की सीमा पर दोनों ओर से हमले होते रहे हैं, जिससे दोनों तरफ के कश्मीरियों और उनकी संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों से दोनों देशों ने नियंत्रण रेखा पर युद्धविराम लागू करने का निर्णय लिया। युद्धविराम संधि के कारण कई वर्षों से माहौल शांतिपूर्ण है। पाकिस्तान तब हैरान रह गया, जब कुछ हफ्ते पहले ईरान ने बलूचिस्तान के अंदरूनी इलाकों पर बमबारी की। जिन इलाकों पर बमबारी की गई, वे शहरों एवं कस्बों से बहुत दूर रेतीले रेगिस्तान और पहाड़ों में स्थित थे। ईरान ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि कुछ ईरान-विरोधी गुटों के खिलाफ था, जो पाकिस्तान से ईरान के खिलाफ आतंकवादी हमले करते थे। अगले ही दिन, पाकिस्तानी वायु सेना ने पाकिस्तान-ईरान सीमा पर हमला किया, जिसमें कई लोग हताहत हुए। पाकिस्तान ने कहा कि उसने ईरान के अंदर उन आतंकवादी शिविरों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल ये आतंकवादी पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए करते थे। वैसे इस वाकये से हैरान ईरान ने अपनी ही सरकार के भीतर कुछ मजबूत तत्वों को दोषी ठहराया, जिन्होंने ईरान की घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए इस अवसर का उपयोग करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान को ईरान की प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट हो गया कि वह सीमा के दोनों ओर पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना चाहता है और स्थिति नियंत्रण में प्रतीत होती है। जैसा कि एक विश्लेषक ने कहा, यह न केवल दोनों पड़ोसियों के लिए अच्छा है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए भी अच्छा है। स्थिति को और अधिक बिगड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव पाकिस्तान की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए विनाशकारी होगा। उसके बाद अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का विवाद बढ़ गया, क्योंकि पाकिस्तान के उत्तरी इलाके वजीरिस्तान में तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने आतंकवादी हमला किया, जिसमें सेना के दो अधिकारी मारे गए और कई घायल हो गए। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान पर हुए इस हमले को गंभीरता से लिया जाएगा और पाकिस्तान इसका जवाब देगा। अगली सुबह पाकिस्तानी वायु सेना के बमवर्षकों ने अफगानिस्तान के भीतर हमला किया और टीटीपी के कुछ शिविरों को नष्ट कर दिया। हालांकि फिलहाल वहां शांति और सन्नाटा है। जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तो पाकिस्तान ने अंतरिम सरकार का स्वागत किया था। उसे उम्मीद थी कि एक बार नई सरकार काम करने लगेगी और कानून-व्यवस्था में थोड़ा सुधार होगा, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि टीटीपी अफगानिस्तान से पाकिस्तान की धरती पर आतंकी हमले न करे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पाकिस्तान ने यह संदेश देने के लिए हर कूटनीतिक उपायों का इस्तेमाल किया। कई उच्च स्तरीय सैन्य और असैन्य प्रतिनिधिमंडल काबुल गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया था कि पाकिस्तान को किन बातों पर आपत्ति है और वह अफगानिस्तान की जमीन से आतंकवादी हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। पर अफगानिस्तान ने इन चेतावनियों को नजरंदाज कर दिया है। अंततः पाकिस्तान ने हजारों अवैध अफगान शरणार्थियों एवं प्रवासियों को वापस भेज दिया, जिससे काबुल नाराज हो गया। फिर पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा में लैंडीकोटल सीमा और बलूचिस्तान में चमन सीमा पर ट्रकों को गुजरने की अनुमति नहीं देते हुए व्यापार बंद कर दिया। तालिबान सरकार ने इसकी शिकायत की और आश्वासन दिया कि वह टीटीपी को नियंत्रित करेगी। फिलहाल टीटीपी के लगभग 6,000 आतंकवादी अपने परिवारों के साथ अफगानिस्तान में शरण लिए हुए हैं, जिनमें से अधिकांश को तब सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान से बाहर कर दिया गया था, जब वे सख्त शरिया नियमों और पाकिस्तान के और भी इस्लामीकरण की मांग करने लगे। जैसा कि एक विश्लेषक का कहना है, 'टीटीपी वस्तुतः अपने अफगान समकक्ष अफगान तालिबान का विस्तार बन गया है और हैरानी की बात नहीं कि अमेरिकी युद्ध की समाप्ति और अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में भारी वृद्धि हुई है।' टीटीपी के ताजा हमलों के बाद पाकिस्तान ने आतंकी हमलों के लिए सीधे तौर पर तालिबान शासन को जिम्मेदार ठहराया है। उत्तरी वजीरिस्तान में ताजा आतंकवादी हमले के बाद आईएसपीआर ने एक बयान में कहा, 'अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार न केवल आतंकवादियों को हथियार दे रही है, बल्कि अन्य आतंकवादी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह भी प्रदान कर रही है और साथ ही पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में भी शामिल है।' ईरान और अफगानिस्तान, दोनों ने पाकिस्तानी वायु सेना की ताकत देखी है। पाकिस्तान की तुलना में ईरान की वायु सेना छोटी और कम प्रभावी है और वह इस बात को जानती है। अफगानिस्तान के पास वायु सेना है ही नहीं, लेकिन जवाबी कार्रवाई के तौर पर वह सीमा पार भारी जमीनी हथियारों का इस्तेमाल करेगा। पाकिस्तान में ऐसी आवाजें जोर-शोर से उठ रही हैं कि अफगान तालिबान के साथ और अधिक राजनयिक जुड़ाव की जरूरत है, क्योंकि दोनों पक्षों के ऐसे सैन्य अभियानों से क्षेत्रीय शांति पर भी गंभीर असर पड़ेगा। टीटीपी पर लगाम लगाने या उसे बाहर निकालने के लिए काबुल पर दबाव बनाना होगा, जो द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट का कारण है। साथ ही, पाकिस्तान चीन जैसे दोस्तों और मजबूत सहयोगियों से उम्मीद करता है कि वे उसकी शिकायतों को अफगानिस्तान तक पहुंचाएं, जो वहां भारी निवेश कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024: इस 'पहली बार' में छिपे हैं भविष्य के कई संकेत

पहली बार आचार संहिता के दौरान भी ईडी, सीबीआई के विपक्षी नेताओं पर छापे जारी हैं। पहली बार घोड़ा और घास की यारी की तर्ज पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ हैं। पहली दफा विपक्ष के मन में यह डर है कि यह आम चुनाव कहीं आखिरी साबित न हों तो पहली बार मतदाताओं के मन में भी यह शंका कुलबुला रही है कि भविष्य विपक्ष ही नहीं बचा तो सरकार चुनने का अर्थ क्या रह जाएगा?बहुत कुछ पहली बार हो रहा है, इस आम चुनाव के दौरान। पहली दफा किसी पदासीन मुख्यमंत्री की घोटाले के आरोप में और वो भी देश में आदर्श आचार संहिता लागू रहते गिरफ्तारी हुई है। खुद को बेकसूर मानने वाले और फिलहाल ईडी की हिरासत में एक मुख्यमंत्री ने जेल से कार्यकारी आदेश जारी किया है। पहली बार किसी राजनीतिक पार्टी ने देश की राष्ट्रपति के खिलाफ याचिका दायर की है तो संभवतः पहली बार कोई प्रधानमंत्री आचार संहिता लागू रहते ही विदेश यात्रा पर गया है तो पहली दफा आचार संहिता लागू रहते किसी राज्य में मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ है।पहली बार एक राज्यपाल ने सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद एक मंत्री को पद की शपथ दिलाई है तो पहली दफा देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी ने गुहार लगाई है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने उसके खाते सील कर दिए हैं, पार्टी के पास प्रचार तक के पैसे नहीं हैं। पहली बार आचार संहिता के दौरान भी ईडी, सीबीआई के विपक्षी नेताओं पर छापे जारी हैं। पहली बार घोड़ा और घास की यारी की तर्ज पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ हैं। पहली दफा विपक्ष के मन में यह डर है कि यह आम चुनाव कहीं आखिरी साबित न हों तो पहली बार मतदाताओं के मन में भी यह शंका कुलबुला रही है कि भविष्य विपक्ष ही नहीं बचा तो सरकार चुनने का अर्थ क्या रह जाएगा?कुछ गौरतलब बातें और भी हैं। मसलन पहली बार चुनावों में एआई का प्रयोग हो रहा है तो पहली दफा यह है कि राजनीतिक पार्टियों के मुखौटों में परिवारवादी नेतृत्व और व्यक्तिवादी नेतृत्व में सीधा आमना-सामना है तो यह पहली बार है कि एक सत्तारूढ़ गठबंधन जीत के प्रति आश्वस्त होने के बाद भी बंपर जीत के लिए प्रयत्नों की पराकाष्ठा किए दे रहा है।यह भी पहली बार ही है कि अपने अस्तित्व पर आसन्न खतरे को भांप कर भी विपक्ष क्षुद्र स्वार्थों के जाल से पूरी तरह निकल नहीं पा रहा है। और यह भी कि देश के राजनीतिक फलक पर मूल्यविहीन टिकटजीवियों के सम्प्रदाय का निरंतर विस्तार होता जा रहा है। गोया समूचा परिदृश्य 'न भूतो' जैसा है 'भविष्यति' होगा या नहीं, कहना मुश्किल है। इसके पहले 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ऐसी स्थिति बनी थी, 'जब करो या मरो' की भावना के साथ विपक्ष एकजुट हुआ था और उसने श्रीमती इंदिरा गांधी की अजेय समझी जाने वाली सत्ता को उलट दिया था। ये अलग बात है कि विपक्ष की वो एकता सतही थी। लेकिन उसी के साथ भविष्य में कांग्रेस के धीरे- धीरे हाशिए पर जाने की पूर्व पीठिका तैयार हो गई थी।अगले तीन दशकों तक कांग्रेस केन्द्र में कभी अपने दम पर तो कभी गठबंधन की बैसाखी के सहारे सत्ता में आती रही। लेकिन 2014 में उसकी सत्ता में वापसी पर लंबा ब्रेक लग गया। अभी भी वह ऐसे मुद्दों की तलाश में है, जो उसे वापस सत्ता दिला सके। वो भरोसा, जिसके बूते खुद कांग्रेसी ही अपनी पार्टी में न्याय मिलने को लेकर आश्वस्त हो सकें। वो विश्वास, जो कांग्रेस के प्रति अल्पसंख्यकों से भी ज्यादा बहुसंख्यकों में था, कैसे लौट सके। कैसे पार्टी तुष्टिकरण के पूर्वाग्रह को लांघ कर सर्वजन हिताय के रथ में सवार हो सके। कैसे वह अपने ही अंतर्विरोधों को गटककर एक मजबूत और प्रतिबद्ध सेना के रूप में मतदाता के सामने आ सके।खतरे तो भाजपा के सामने भी हैं। महासागर का रूप ले चुकी पार्टी अब विचारों से ज्यादा सत्ताग्रही आचारों से नियंत्रित और संचालित हो रही है। अगर कांग्रेस को किसी दमदार नायक की तलाश है तो भाजपा के सामने एक अधिनायक की विराट छवि में खुद के गुम जाने का खतरा है।एक चेहरे पर अति निर्भरता उसे भविष्य में कांग्रेस की राह पर ले जा सकती है। भाजपा और संघ ने एक सुचिंतित रणनीति और लक्ष्य के तहत धर्मनिरपेक्षता की परतें उधेड़ कर उसमें बहुसंख्यक समाज की हैसियत और वर्चस्व को संस्थापित किया, लेकिन इसका अतिवाद खुद उसके अस्तित्व के लिए खतरे की घंटी बन सकता है। क्योंकि एकजुटता में ही अंतर्विरोधों के बीज छुपे होते हैं।बेशक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज देश के सबसे लोकप्रिय और दमदार नेता हैं। देश के मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग उनसे सम्मोहित है। लेकिन यह स्थिति भाजपा के सत्ता में लौटने की आश्वस्ति से ज्यादा पार्टी संगठन के हाशिए पर चले जाते जाने का अलार्म भी है, जिसे भाजपा और संघ में अंदरूनी तौर पर महसूस किया जा रहा है।अधिनायकत्व का बड़ा कारण अक्सर आत्ममुग्धता और अति आत्म विश्वास होता है। लेकिन पैरों से नीचे खिसकती जमीन का अहसास उसके खिसक जाने के बाद ही होता है, बशर्ते कि संगठन के कील कांटे समय पर ही दुरूस्त न कर लिए जाएं। वोटों की किसी भी कीमत पर गोलबंदी अगर लोकतंत्र की अनिवार्य बुराई है तो जनता के मानस का बदलना भी ठोस सच्चाई है। लोगों की बदलती, बढ़ती चेतना, अपेक्षाएं आशा और निराशा का भाव ही किसी न किसी राजनीतिक विचार के आवरण में जनाकांक्षा के रूप में उभरता है और मतदाताओं, समूहों को नए सिरे से गोलबंद करता है।

चीन है कि बाज नहीं आ रहा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की जरूरत

चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसे अलग-थलग करने की कोशिश करनी चाहिए।पिछले कुछ समय से चीन बार-बार भारत के अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत के नाम से पुकार कर भारत के साथ तनाव की स्थिति पैदा करना चाह रहा है। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार इसका खंडन करते हुए दुनिया को बताया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अटूट अंग है। अमेरिका ने भी कड़े शब्दों में चीन को चेताते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन चीन अपने रवैये से बाज नहीं आ रहा है। बीते आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में सड़क संचार को बेहतर बनाने के लिए वहां पर सेला सुरंग मार्ग का उद्घाटन किया था। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए चीन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अरुणाचल प्रदेश में इस तरह के कार्य नहीं करने चाहिए, क्योंकि यह दक्षिणी तिब्बत का क्षेत्र है। चीन के इस दावे का भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में खंडन किया है और अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को दोहराया है। कहने को तो चीन में कम्युनिस्ट शासन है, परंतु वास्तव में चीन में शी जिनपिंग की सरकार अब भी सामंतशाही प्रणाली की तरह काम कर रही है, जिसके कारण चीन की जनता त्रस्त है और वहां पर चारों तरफ तनाव देखने को मिलता है। अपनी विस्तारवादी नीति के तहत चीन ने पड़ोसी देशों की भूमि पर कब्जा करना शुरू किया और 1951 में तिब्बत पर कब्जा कर लिया। इसी नीति के तहत चीन ने अपने 16 पड़ोसी देशों की भूमियों पर अवैध कब्जे किए हैं।भी हमारी सरकार अरुणाचल प्रदेश में कोई भी विकास कार्य करती है, चीन आपत्ति जताने लगता है। लेकिन इस बार भारत के दावे की पुष्टि अमेरिका जैसी महाशक्ति देश ने भी की है और बहुत से पश्चिमी देश भी भारत के पक्ष में हैं। चीन और भारत के बीच में 3,488 किलोमीटर की सीमा है, जिनमें 1,597 किलोमीटर पूर्वी लद्दाख, 544 किलोमीटर हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड, 220 किलोमीटर सिक्किम तथा 1,126 किलोमीटर अरुणाचल प्रदेश में है! अरुणाचल की सीमा का अधिकांश भाग तिब्बत से सटा हुआ है! चीन के साथ लंबे समय से हमारा सीमा विवाद चल रहा है, जिसे चीन सुलझाना नहीं चाह रहा है। इसी के चलते चीन ने अक्तूबर 1962 में भारत पर हमला कर दिया, जिसके लिए भारतीय सेना तैयार न थी। नतीजतन भारत के अक्साई चिन क्षेत्र में 38,000 वर्ग किलोमीटर पर चीन ने अवैध कब्जा कर लिया, जिस पर वह आज तक कायम है! इसके बाद सिक्किम के नाथुला पर 1967 में चीन ने हमला किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। फिर 1986 में अरुणाचल के सोमद्रोंचू नाम के क्षेत्र में चीन ने एक हेलीपैड बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया! इसके बाद भारत सरकार ने इस पूरे क्षेत्र में सड़क और पुलों का निर्माण किया, ताकि सेना के टैंक सीमा तक पहुंच सकें! सोमद्रोंचू की झड़प के बाद भारत और चीन के बीच तनाव कम करने के लिए वार्ताएं शुरू हुईं और 1993 एवं 1996 में चीन के साथ सीमाओं पर शांति बहाली के लिए समझौते किए गए! इन समझौतों में यह तय किया गया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास दोनों देशों के सैनिक बिना हथियारों के ही निगरानी करेंगे! लेकिन चीन बार-बार इसका उल्लंघन करता रहा है! हालांकि भारत ने चीन से लगती सीमा क्षेत्र में अपनी सैन्य तैयारी मजबूत की है और हवाई पट्टी, सड़क एवं पुलों का निर्माण किया है। दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भारत ने अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड गठबंधन किया है। चीन भली-भांति भारत की तैयारी के बारे में जान चुका है, फिर भी वह समय-समय पर भारत से उलझने से बाज नहीं आ रहा है। जब तक चीन का कब्जा तिब्बत पर बना रहेगा, तब तक वह पूरे दक्षिण एशिया में भारत, बांग्लादेश और म्यांमार के लिए खतरा बना रहेगा। इसलिए भारत को मजबूती से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तिब्बत पर चीन के गैरकानूनी कब्जे के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए! चीन को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेनकाब करने से उसकी अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, जिसके दम पर वह एशियाई देशों को अपनी कर्ज नीति के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा करने पर ही चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की दहाड़, नौसेनाध्यक्ष बोले- सुरक्षा सुनिश्चित करने को नौसेना प्रतिबद्ध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने शनिवार को कहा कि हिंद महासागर को और अधिक सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए नौसेना सकारात्मक कार्रवाई कर रही है। इसी के साथ उन्होंने नौसेना द्वारा गत 100 दिनों में समुद्री लुटेरों के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी उल्लेख किया। भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने शनिवार को कहा कि हिंद

महासागर को और अधिक सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए नौसेना सकारात्मक कार्रवाई कर रही है। इसी के साथ उन्होंने नौसेना द्वारा गत 100 दिनों में समुद्री लुटेरों के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि विभिनन समुद्री डकैती विरोधी अभियानों में 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। उन्होंने बताया कि विभिनन समुद्री डकैती विरोधी अभियानों में 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। इनमें 27 पाकिस्तान और 30 ईरानी नागरिक भी शामिल थे। यहां नवनिर्मित नौसेना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि समुद्र में हाउती विद्रोहियों द्वारा किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज को निशाना नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन संकल्प और अन्य अभियानों के दौरान भारतीय नौसेना ने 110 लोगों की जान बचाई है, इनमें कुल 45 भारतीय और 65 अंतरराष्ट्रीय नागरिक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अरब सागर में क्षमताओं को बढ़ाते हुए भारतीय नौसेना ने क्षेत्र में किसी भी समुद्री डकैती या ड्रोन हमलों को विफल करने के लिए अन्य निगरानी विमानों के साथ 10 युद्धपोत तैनात किए हैं।

सीटू कार्यकर्ताओं ने शहीदी दिवस 23 मार्च को लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में मनाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। महान क्रांतिकारी राजगुरु, भगत सिंह, सुखदेव का शहीदी दिवस 23 मार्च 2024 सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ दिवस के रूप में

मनाया। इस अवसर पर सीटू नेता रामसागर, हुकम सिंह, सुनील पंडित, राम स्वारथ, गंगेश्वर दत्त शर्मा, मुकेश कुमार राघव, रंजीत तिवारी आदि के नेतृत्व में मजदूर बस्ती सेक्टर- 8, नोएडा बरौला सेक्टर- 49, भंगेल फेस-2, वाइबो कास्टिक कंपनी फेस- 2, नोएडा, अनमोल इंडस्ट्रीज उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा, एक्सीडेंट टूल्स उद्योग केंद्र ग्रेटर नोएडा आदि विभिनन मजदूर बस्तियों व कम्पनियों के गेटों पर कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि हमारे देश को ब्रिटिश साम्राज्य से आजाद करवाने में जो अनगिनत कुर्बानियां दी गई उनमें अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को घर-घर में जाना जाता है। ये तीनों शहीद से आज भी हमें इंकलाब की प्रेरणा देते हैं। 93 वर्ष पूर्व 23 मार्च 1931 को उन्हें अंग्रेजों ने फांसी दी थी। उन्हें याद करते हुए हम कभी नहीं भूलते कि उनका लक्ष्य पूंजिपति राज की बजाय कमेरे वर्गों का राज स्थापित करने वाली क्रांति लाना था। एक ऐसा सिस्टम जहां आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, भाषा, जाति, लिंग के आधार पर किसी भी प्रकार के शोषण व भेदभाव की अनुमति नहीं हो। ऐसे महान शहीदों और किसान- मजदूरों के कठिन संघर्षों से हमें जो आजादी और लोकतांत्रिक अधिकार व मूल्यबोध प्राप्त हुए थे, गत 75 सालों से उन्हें एक पर एक नष्ट किया जा रहा है। पिछले 10 सालों में तो हद कर दी। कॉरपोरेट - पूंजीपतियों के साथ भाजपा शासन अपराधतंत्र और सांप्रदायिकता के भ्रष्ट गठजोड़ के रूप में देश को बर्बादी के कगार पर ले आया है। आर्थिक गैर - बराबरी का आलम यह है कि किसान- मजदूर कर्ज में डूब कर आत्महत्या कर रहे हैं । करोड़ों युवा रोजगार के लिए दर दर की ठोकरें खा रहे हैं। दूसरी तरफ मुट्ठी भर बड़े पूंजीपतियों को राष्ट्रीय संपत्तियों के बड़े हिस्से पर कब्जा करने की छूट दे दी गई है। बदले में वे भाजपा को चुनावी बौंड के बहाने जिस तरह चोर दरवाजे से अरबों रु देते रहे हैं, उसका भंडार फोड़ हो चुका है। कृषि क्षेत्र को भी कारपोरेट के हाथों में सौंपने के षड्यंत्र हो रहे हैं जिसके खिलाफ देश का संयुक्त किसान मोर्चा शक्तिशाली आंदोलन कर रहा है। लोकतांत्रिक अधिकारों, धर्मनिरपेक्ष सोच और जन आंदोलन की एकता को खत्म करके देश में तानाशाही शासन थोपा जा रहा है। जनता के बीच सांप्रदायिक और जात-पात की नफरत फैला कर भाजपा शासन अंग्रेजों की तरह ठफूट डालो-- राज करोठ की नीति पर चल रहा है। ? क्या भगत सिंह और हमारे सभी शहीदों ने इसीलिए अपने जीवन की कुर्बानियां दी थी उन्होंने कहा कि आज हम सब का कर्तव्य बनता है कि देश में संवैधानिक व लोकतांत्रिक अधिकारों और रोजी- रोटी पर जो हमले हो रहे हैं, उन्हें विफल करने के लिए भाजपा को गांव- मोहल्लों से अलग थलग करके किसानों-मजदूरों, कर्मचारियों, छात्र- युवाओं , महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का सबक सिखाया जाए, उसे कड़ी सजा दी जाए। सीटू जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि आज समाज के सभी तबके मिल कर 23 मार्च के शहीदी दिवस को गांव-गांव में ठलोकतंत्र बचाओ दिवसठ के रूप में मनाते हुए देश में इस नाजुक मोड़ पर बुनियादी बदलाव करने का संकल्प लें रहे हैं।

पॉकेट 7 में धूम धाम से हुआ होली मिलन समारोह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा पॉकेट 7 सेक्टर 82 में हुए आरडब्लूए चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पॉकेट वासियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं मुंह मीठा कर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर फूलों की होली खेली गई। होली के गीतों पर सभी पॉकेट वासी जमकर नाचे। इस अवसर पर आरडब्लूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि रंगोत्सव होली आपसी प्रेम सद्भाव उल्लास का त्यौहार है। ईश्वर सभी के जीवन को खुशियों के विविध रंगों से भरे यही कामना है। सभी से

अनुरोध है कि केवल प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलें क्योंकि केमिकल से बने रंग त्वचा को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। कार्यक्रम में महासचिव बंटी कुमारी, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, रमेश चंद, देव मणि शुक्ल, उत्तम कुमार, देवेंद्र गुप्ता, संजय पांडेय, सुभाष चौहान, हरी सिंह, विकास कुमार, राजेश पाठक, उमाकांत त्रिपाठी, विजय कुमार,बीआर रतूड़ी, गुरुदयाल, आशीष कुंडू, दीपक तिवारी, घनश्याम जोशी, प्रकाश जोशी, सर्वेश तिवारी, बिजेंद्र सिंह, संदीप, एस के रथ, पप्पू सिंह, नवल किशोर मिश्रा, रवि राघव , आर सी गुप्ता,अंगद सिंह तोमर,सुभाष शर्मा, भूपेंद्र भारद्वाज, रमेश कुमार वर्मा,रविंद्र सिंह, रमेश चंद्र दास, अनिल कुमार, हंस मणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्र, दिनेश कुमार पाठक, अवनीश तिवारी, पदुम सिंह, सुजीत कुमार सिंह, बी डी गुप्ता, शिव व्रत तिवारी, रणजीत सिंह बिष्ट, राजेश कुमार गुप्ता अंशु झा, जी डी शर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आपसी मतभेद भुलाकर खुशियां मनाने का त्यौहार है होली पंडित आरडी शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा चौड़ा गांव में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा जी के आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ जिसमें आसपास के ब्राह्मण समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आरडी शर्मा ने बताया की होली आपसी गिले शिकवे भुला कर गले मिलकर मनाई जाती है यह ऐसा त्यौहार है जिसमें हम सभी एक दूसरे को बड़े प्यार से गुलाल लगाकर खुशियां मनाते हैं उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित शिव ओम शर्मा ने बताया कि हमारा संगठन आर्थिक रूप से गरीब परिवार की बेटियों की शादी करता है शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों को पढ़ने के लिए मदद करता है और अपने समाज के गरीब लोगों की हर तरीके से सहायता करता है कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गिझोड़ श्री सुरेश शर्मा जो ,मुक्ता प्रधान छिजारसी , भाजपा नेता नरेश शर्मा व वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र शर्मा ने संबोधित करते हुए ब्राह्मण एकता पर अपने विचार प्रकट किया कार्यक्रम के आयोजक नोएडा महानगर के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने आए हुए अतिथियों का अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट किया और आज होली के पावन पर पर संकल्प लेते हुए कहा कि मैं अपने समाज के लिए बढ़ चढ़कर कार्य करूंगा इस अवसर पर अशोक जी सुरेन्द्र शर्मा चौड़ा,गौरव शर्मा छजरसी लाल मणि पांडे,लकी शर्मा, कालू पंडित हरौला, प्रमोद पंडित छालेरा ,कालू पंडित बरौला, भगवत दयाल मोरना ,अरुण कुमार शर्मा निठारी, सोनू शर्मा होशियारपुर, कुलदीप शर्मा सेक्टर 55 ,राधे पंडित गाज़ीपुर दिल्ली ,प्रदीप शर्मा कोंडली दिल्ली, सौरभ शर्मा हसनपुर दिल्ली, अनुज प्रधान नवादा , प्रदीप शर्मा कनावनी, विष्णु पंडित चौड़ा, केडी शर्मा 55, बंदूक भूषण 55, ज्ञानी शर्मा ,दीपक शर्मा टेकचंद शर्मा , जयप्रकाश शर्मा, सुभाष शर्मा,श्याम सुंदर शर्मा, राजीव शर्मा, प्रदीप भारद्वाज ,गोपाल गोड़, प्रमोद शर्मा,जयप्रकश अमित शर्मा रवि शर्मा कृष्णकांत शर्मा, आदि मौजूद रहे।

सेक्टर 82 पाकेट 7 में आर डब्लूए चुनाव में राघवेन्द्र दूबे पैनल की हुई जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 के पॉकेट 7 में हुए आरडब्लूए चुनाव में राघवेंद्र दुबे पैनल ने बाजी मारी। राघवेंद्र

दुबे पैनल ने नंद किशोर सोलंकी पैनल को सभी पदों पर हराया। अध्यक्ष आपद पर राघवेंद्र दुबे, महासचिव पद पर श्रीमती बंटी कुमारी, उपाध्यक्ष पद पर रवि राघव, कोषाध्यक्ष पद पर सुशील पाल, उपसचिव पद पर पप्पू सिंह विजई हुए वहीं पर सदस्य पद पर रमेश चंद, दीपक तिवारी, विकास कुमार, विकास कुमार , उत्तम कुमार चंद , धीरज कन्याल विजई हुए। राघवेंद्र दुबे पैनल की एकतरफा जीत पर पॉकेट वासियों ने ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते जशन मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने उनकी पूरी टीम को जिताने के लिए पॉकेट वासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया । उन्होंने कहा कि वह पॉकेट के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर संजय शुक्ला, देव मणि शुक्ल, प्रमोद तिवारी, राजेश पाठक, विष्णु शर्मा, रेखा प्रधान, राजवीर सिंह,देवेंद्र गुप्ता, हरि शंकर सिंह , सर्वेश तिवारी, विकास शर्मा, बी के भारद्वाज, विजय कुमार, प्रकाश जोशी , बी डी गुप्ता, हंस मणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्र, पदम सिंह, रमेश चंद्र दास, शिव व्रत तिवारी, राजेश कुमार गुप्ता, अंगद सिंह तोमर, रमेश चंद्र वर्मा, नवल किशोर मिश्र, देव विष्ट, अवनीश कुमार तिवारी, दिनेश पाठक, सिया राम, श्रीराम तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, वीजेन्द्र कुमार, रविन्द्र सिंह, अरूण कुमार गौर, दीपक तिवारी, बी के मिश्रा, शुभाष शर्मा, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हवन-पूजन एवं व्यास पूजन के साथ ही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ विश्राम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के तत्वावधान में सेक्टर-20 के श्री हनुमान मंदिर में फाल्गुन मास

एवं होली महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सप्तम एवं अंतिम दिवस की कथा में आचार्य विष्णुकांत पाराशर जी ने अपनी अमृतमयी वाणी में श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र का वर्णन किया।उन्होंने नवयोगेश्वर संवाद एवं कृष्ण-उद्धव संवाद का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत किया।उन्होंने भगवान कृष्ण के गोलोक गमन एवं सुखदेव जी की विदाई की कथा सुनायी।कथा के उपरांत हवन हुआ एवं व्यास पूजन के साथ ही कथा का विश्राम हो गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्रीहनुमान मंदिर समिति,महिला कीर्तन मंडली एवं आरडब्लूए सेक्टर-20 के सहयोग से किया गया था। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के चेयरमैन एवं कथा के मुख्य यजमान उमशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुनन कुमार शर्मा ने कथा व्यासजी एवं सभी अतिथियों का पटका ओढ़ाकर सम्मान किया।कथा श्रवण के लिये कथा स्थल पर आयोजन समिति के सदस्य कथा संयोजक अनिल गोयल,कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनरायण गोयल,बजरंगलाल गुप्ता,एसएमगुप्ता,अनंत वर्मा,पवन गोयल,राजकुमार गर्ग, मुकेश गोयल,मुकेश गुप्ता,सुशीला शर्मा,रामपाल भाटी,सुधीर पोरवाल,गंगाराम यादव,संदीप पोरवाल,विनय गुप्ता,जीसी गुप्ता,रामनिवास बंसल सहित सैकड़ों भक्तजन उपस्थित थे।

शिव मंदिर पर नवनिर्वाचित आर डब्लूए ने मनाई होली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर सुन्दर काण्ड का पाठ हुआ एवं संगीत मंडली द्वारा भजन कीर्तन किया गया। नवनिर्वाचित आर डब्लूए के

पदाधिकारियों द्वारा सुन्दर काण्ड के बाद फूलों की होली खेली गई। पूरी सोसायटी के निवासियों ने होली का खूब लुत्फ उठाया उसके बाद एक दूसरे के गुलाल लगाकर गले मिले। एवं सभी लोगों ने एक दूसरे को लड्डू खिलाए। इस मौके पर आर डब्लूए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे, महासचिव श्रीमती बंटी कुमारी, उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार, सचिव पप्पू सिंह, गोरे लाल, देवेन्द्र कुमार गुप्ता,संजय पांडेय, रमेश चंद्र शर्मा, हरि शंकर सिंह, विजय कुमार,दीपक तिवारी, प्रकाश जोशी,उत्तम चंद्रा, विकास कुमार, बी डी गुप्ता,आर सी गुप्ता, प्रशान्त कुमार पाठक,राम भरोसे, सुजीत कुमार सिंह, वीरेन्द्र कुमार, हरि शंकर सिंह, दिनेश पाठक,रमेश चंद्र दास, किशोर कपूर, अंगद सिंह तोमर, सुबोध तिवारी,बी के भारद्वाज, सुभाष चन्द्र शर्मा, संगम प्रसाद मिश्र,देवराज धीमान,के सी झा,सेन्सर पाल, सर्वेश तिवारी, पदम सिंह,हंस मणि शुक्ल, अवनीश कुमार तिवारी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रितु भारद्वाज को महिला उन्नत संस्था का नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सामाजिक संगठन महिला उनन्ति संस्था ने संगठन की जनपद गौतमबुद्धनगर ईकाई मे फेरबदल करते हुए नोएडा महानगर की अध्यक्ष कविता सिंह के स्थान पर

नोएडा की प्रसिद्ध समाजसेवी रितु भारद्वाज को नोएडा महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, नियुक्ति पत्र सौंपते हुए संस्था के अध्यक्ष डॉ राहुल वर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के कार्यों मे गति लाने के लिए महानगर अध्यक्ष को बदला गया है इसके साथ ही नोएडा ईकाई का पुनर्गठन किया जायेगा और सक्रिय सदस्यों को जिम्मेदारी दी जायेगी।मिशन शक्ति अभियान को प्रदेश व देश के हर गांव वह कस्बे तक ले जाने की आवश्यकता है, ताकि महिलाओं को शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके, वहीं जिला अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान को शहर गांव तक ले जाये जाने की आवश्यकता है इसीलिए संगठन मे फेरबदल किया जा रहा है वहीं जिला प्रभारी सीमा रावत ने कहा कि जल्द नोएडा ईकाई का गठन कर लिया जायेगा और संगठन के कार्यों को गति दी जायेगी नवनियुक्त नोएडा महानगर अध्यक्ष रितु भारद्वाज ने संगठन के शीर्ष नेत्र का आभार प्रकट करते हुए कहा की नोएडा महानगर में एक मजबूत टीम तैयार कर महिलाओं की आवाज को बुलंद किया जाएगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष रणवीर चौधरी,नोएडा देहात इकाई की अध्यक्ष पूजा अवाना समेत आदि उपस्थित रहे।

सपा नोएडा कार्यालय में मनाई गई डॉ राम मनोहर लोहिया जी की जयंती, शहीदों को किया गया याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट स्थित सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय पर

आज डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जी की जयंती धूम से धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने लोहिया जी की बातों को याद करके उनके पद चिन्हों पर चलने की अपील की। साथ ही देश के लिए शहीद होने वाले भगत सिंह, राजगुरु ,सुखदेव की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर गौतमबुद्ध नगर के लोकसभा प्रत्याशी राहुल अवाना भी उपस्थित रहे। नोएडा महानगर की तरफ से उनका जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया गया। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी वह विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने उपस्थित सभी समाजवादी साथियों से अपील की इस बार पूरी मेहनत करके लोकसभा प्रत्याशी राहुल अवाना जी को एक ऐतिहासिक जीत दिलाना है। कार्यक्रम का संचालन विकास यादव ने किया।

युवा क्रान्ति सेना और विद्या फाऊंडेशन ने शहीद दिवस मनाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा ग्राम निठारी स्थित शनि मंदिर पर युवा क्रांति सेना और विद्या फाउंडेशन ने शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव और शहीद राजगुरु के शहादत दिवस के उपलक्ष्य पर उन्हें दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने बताया की युवा क्रांति सेना और विद्या फाउंडेशन ने आज एक मुहिम का भी शुभारंभ किया है जिसमे हर सरकारी दफ्तर, सरकारी एवम् प्राइवेट स्कूल और कॉलेज, अस्पतालों और अन्य दफ्तरों में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की फोटो भेंट करके उसे कार्यालय में लगाने का आग्रह भी करेंगे। इससे सिर्फ एक ही दिन नही बल्कि हमारे वीर शहीदों को हर दिन याद किया जाएगा और यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सेना के संस्थापक राजेश अंबावात ने कहा की भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव ने देश को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्योछावर कर गए। अर्जुन प्रजापति ने कहा की भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु पूरे देश के आदर्श है। उनके विचार और उनका व्यक्तित्व आज भी युवाओं को प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर अंकुर शर्मा, मयंक सिंह, प्रताप प्रजापति, सुधीर रॉय, गजेंद्र सिंह, महावीर आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत पर्व रंगोत्सव एवं होली मिलन समारोह का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा राष्ट्रीय संस्कृतिक पर्व रंगोत्सव के पावन पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार

मंडल नोएडा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर फूलों की होली एवं राधा कृष्ण की सुन्दर झांकी, रुद्राक्ष डांस एकेडमी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए! इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती बिमला बाथम अध्यक्ष महिला आयोग उत्तर प्रदेश सरकार एवं पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, रविकांत मिश्रा एवं संजय गुप्ता अध्यक्ष रामाज्ञा स्कूल ने इस समारोह मैं सम्मिलित हो सभी को होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस समारोह मैं व्यापार मंडल की तरफ से संजय जैन (कार्यकारी अध्यक्ष), सुधीर पोरवाल (महासचिव), रमाकांत गर्ग (कोषाध्यक्ष), नरेश बंसल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अमित अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), मनोज गुप्ता (संगठन महामंत्री), कुम्मु जोशी भटनागर (महिला विंग चेयरपर्सन) अमित पोरवाल (युवा विंग अध्यक्ष) संरक्षक राधा कृष्ण गर्ग, डॉ एस.पी. जैन, राज कुमार गर्ग, रनपाल अवाना, नरेंद्र चोपड़ा, फूल सिंह यादव, विक्रम सेठी, राहुल भाटिया, गोविंद अग्रवाल, सुरेंद्र गर्ग, धर्मवीर बंसल, संजय कोहली, पंकज ऐबट, सुनील पांडे, सुनील वर्मा, आशा पोद्दार, निमिषा नेगी, रितु भारद्वाज, योगिता मल्होत्रा, पूजा अवाना, अंजू चौहान, सोना चौधरी, रश्मिता साहू, मधु सिंह पूजा अग्रवाल, छाया राय आदि समेत सभी पदाधिकारी/ सदस्यों द्वारा फूलों की होली खेल एवं नाच गाकर एक दूसरे को बधाइयां दे होली के पर्व को पूरे हर्षो उल्लास से मनाया। इस समारोह में अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष विकास बंसल, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, नोएडा पंजाबी एकता समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता एवं अन्य पदाधिकारी," जलवायु विहार सेक्टर 47 के अध्यक्ष मनीष शुक्ला महासचिव हरमीत सिंह एवं अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अस्वस्थता के कारण चेयरमैन श्री सुनील गुप्ता जी ने विडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के द्वारा सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं।

जब आमिर खान की इस बात से टूटा था रानी मुखर्जी का दिल, 'गुलाम' के लिए त्यागनी पड़ गई थी ये चीज, खुला बड़ा राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रानी मुखर्जी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप क्लास एक्ट्रेस में से एक हैं। 90 के दशक की टॉप क्लास हीरोइन रह चुकीं रानी का जलवा

आज भी कम नहीं हुआ है। उन्होंने 'कुछ कुछ होता है', 'राजा की आएगी बारात', 'हद कर दी आपने' सहित कई फिल्में ऐसी की हैं, जिससे फैंस के दिलों में जगह बनाने में उन्हें ज्यादा वक्त नहीं लगा। ऐसी ही एक मूवी थी 'गुलाम', जो कि रानी के करियर की टर्निंग प्वाइंट फिल्म साबित हुई थी। रानी मुखर्जी फिल्म इंडस्ट्री की नामी एक्ट्रेस हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक एक्ट्रेस का चार्म न तो कम हुआ है न ही फीका पड़ा है। रानी मुखर्जी अपनी एक्टिंग के साथ-साथ किसी और चीज के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में खुलासा किया कि गुलाम के लिए उन्हें किस चीज का त्याग करना पड़ा था। इस फिल्म में रानी मुखजी की जोड़ी आमिर खान के साथ बनी थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और इसने एक्ट्रेस के लिए कई और बड़ी फिल्मों की लाइन लगा दी। लेकिन इस मूवी को करने के लिए रानी को अपनी उस चीज का त्याग करना पड़ा था, जो उन्हें औरों से अलग भी बनाती है और जो उनकी पहचान है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रानी ने 'गुलाम' मूवी की मेकिंग को लेकर कुछ किस्से शेयर किए हैं। 'गुलाम' फिल्म को विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया था। इस मूवी में उन्हें रानी की एक्टिंग जितनी पसंद आई, आवाज उतनी ही नापसंद लगी। ऐसे में मेकर्स ने उनकी जगह किसी और की आवाज को फिल्म में इस्तेमाल किया था। रानी ने बताया कि तब उन्हें अपना आत्म और आवाज फिल्म के लिए त्यागना पड़ा। उन्हें इसका बुरा लगा था, लेकिन वह कुछ कर नहीं सकती थीं। रानी ने बताया कि उन दिनों में एक्ट्रेस की आवाज को डब करने का चलन था। उनकी आवाज इसलिए डब करवाई गई क्योंकि आमिर खान, विक्रम भट्ट और फिल्म के प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट को लगा कि शायद दर्शक उनकी आवाज को स्वीकार नहीं करेंगे। वह उनकी आवाज के साथ कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे। बता दें कि हिंदी सिनेमा में 'गुलाम' रानी मुखर्जी की दूसरी और करियर की पहली हिट फिल्म थी। जिस मूवी ने उनके लिए दूसरे बड़े प्रोजेक्ट्स के दरवाजे खोल दिए, उसी में उनकी आवाज को डब किया गया। रानी ने बताया कि उन दिनों में एक्ट्रेस की आवाज को डब करने का चलन था। उनकी आवाज इसलिए डब करवाई गई क्योंकि आमिर खान, विक्रम भट्ट और फिल्म के प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट को लगा कि शायद दर्शक उनकी आवाज को स्वीकार नहीं करेंगे। वह उनकी आवाज के साथ कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे। बता दें कि हिंदी सिनेमा में 'गुलाम' रानी मुखर्जी की दूसरी और करियर की पहली हिट फिल्म थी। जिस मूवी ने उनके लिए दूसरे बड़े प्रोजेक्ट्स के दरवाजे खोल दिए, उसी में उनकी आवाज को डब किया गया।

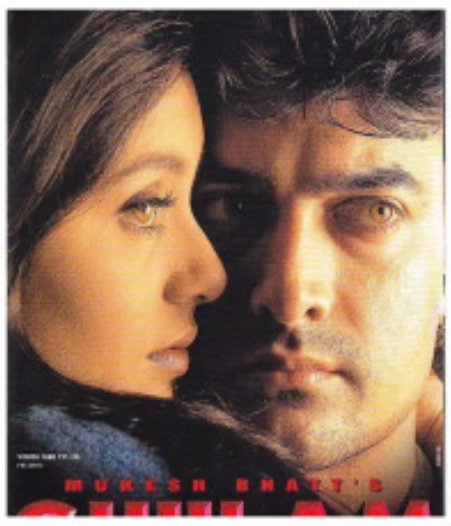

क्यूटनेस में राहा से कम नहीं है आतिफ असलम की बेटी हलीमा, सिंगर ने रिवील किया अपनी नन्हीं प्रिंसेस का चेहरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कभी बॉलीवुड इंडस्ट्री में धाक जमाने वाले पाकिस्तानी कलाकार आतिफ असलम की रीसेंट सोशल मीडिया पोस्ट काफी वायरल हो रही है। वह पिछले रिवील किया। आतिफ असलम पिछले साल एक बेटी के पिता बने थे, जिसका नाम उन्होंने हलीमा रखा। सिंगर ने अभी तक उसका चेहरा रिवील नहीं किया था। फैंस लंबे समय से सिंगर की बेटी को नजर आ रही हैं। हलीमा सोफे पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में दो चोटी के साथ हलीमा पर से हर किसी की नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है। फैंस हलीमा की इन तस्वीरों पर काफी प्यार

साल 23 मार्च को एक क्यूट सी बच्ची के पिता बने थे। सिंगर ने अभी तक उसका चेहरा रिवील नहीं किया था। वहीं, इस बार नन्हीं प्रिंसेस के बर्थ डे पर आतिफ असलम ने अपनी बेटी का चेहरा रिवील कर दिया है। फेमस सिंगर आतिफ असलम को उनके फैंस बॉलीवुड में मिस करते हैं। आतिफ को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किए लंबा वक्त बीत गया है लेकिन सोशल मीडिया पर वह अपने फैंस से कनेक्टेड रहते हैं। आतिफ असलम हैंडसम और क्यूट लुक्स की वजह से जाने जाते हैं। हाल ही में सिंगर ने अपनी बेटी का पहला बर्थ डे सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उन्होंने बेटी का चेहरा देखना चाहते थे और आखिर में उनकी ये विश पूरी हुई है। बता दें कि आतिफ असलम और उनकी पत?नी सारा भरवाना बीते साल तीसरे बच्चे के पैरेंट्स बने थे। आतिफ की पतनी ने बीते साल 23 मार्च को बेटी को जन्म दिया था। अब पहले बर्थ डे पर रिटर्न गिफ्ट के तौर पर हलीमा की फोटोज आतिफ असलम ने शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हलीमा की क्यूटनेस देखने लायक है। फैंस उनकी मासूमियत पर दिल हार बैठे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में से एक में आतिफ बेटी को गोद में लिए और उसके साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी फोटो में हलीमा कैमरे की तरफ देखती लुटाते हुए नजर आ रहे हैं। आतिफ के इस पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट कर हलीमा की क्यूटनेस की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर हलीमा की फोटोज काफी वायरल हो रही है। हलीमा की क्यूटनेस की तारीफ के साथ ही कुछ फैंस का ये भी कहना है कि वह आलिया भट्ट (र्तें) और रणबीर कपूर (हीं र्ज्ददे) की बेटी 'राहा' जैसी लगती हैं। बता दें कि साल 2013 में आतिफ असलम ने सारा भरवाना से लाहौर में निकाह किया था। हीं हलीमा के अलावा आतिफ असलम के दो बेटे भी है, जिनका नाम अब्दुल अहाद और आर्यन असलम है।

'क्रू' की स्क्रिप्ट सुन ऐसा था कृति सेनन का रिएक्शन, आधी कहानी सुनते ही कह दी थी ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू स्टारर फिल्म 'क्रू' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी है। इसका ट्रेलर और कैसा रिएक्शन था और कैसे उन्होंने फिल्म के लिए हां की थी। डायरेक्टर राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू का ट्रेलर देखने के बाद यह जाहिर है कि यह मूवी फुल

गाने पहले ही लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। इन तीनों एक्ट्रेस की जोड़ी पहली बार किसी फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है। क्रू साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस मूवी में करीना कपूर तब्बू और कृति सेनन बॉलीवुड की तीन हसीनाएं एक साथ दिखाई देने वाली हैं। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद फैंस इस मूवी का इंतजार कर रहे हैं। अब इसके राइटर ने फिल्म की कास्टिंग से जुड़ी एक कहानी शेयर की है और बताया कि कैसे कृति ने इस फिल्म के लिए हां कहा। अब इसके लेखक मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी शेयर की है। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस कृति सेनन का 'क्रू' की स्टोरी सुनने का बाद एंटरटेनिंग होने वाली है। वहीं, कृति सेनन को फिल्म में लाने की कहानी उससे भी ज्यादा इंटरेस्टिंग है, जिसे राइटर मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने शेयर किया है। ई-टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने बताया कि कृति ने जब क्रू की स्क्रिप्ट सुनी, तो वह अपनी हंसी को कंट्रोल नहीं कर पाई थीं। उन्हें इसकी स्क्रिप्ट काफी बेहद मजेदार लगी थी। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने पूरी कहानी सुने बिना ही अपने रोल के लिए हां कर दी थी। वहीं, इसके ट्रेलर को भी लोगों ने काफी प्यार दिया था। तीनों एक्ट्रेस के फैंस अब इस मूवी की रिलीज का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

चिंता किस बात की' से 'राम पहुना संग होली', इस होली प्लेलिस्ट में शामिल करें ये नॉन फिल्मी सॉन्ग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बलम पिचकारी', 'होली खेले रघुवीरा' और 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' जैसे कई होली के गाने आपने बॉलीवुड की नई-पुरानी फिल्मों किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनके गाने फैंस को काफी पसंद आते हैं। हाल ही में होली के त्योहार से पहले दोनों का एक गाना रिलीज हुआ है, जिससे आपकी होली की पहले रिलीज हुए उनके नए गाने में होली के साथ-साथ भक्ति भी है। 'राम पहुना संग होली' को अक्षरा सिंह और राजू ने मिलकर गाया है, जिसे होली पर राम भक्त

में सुने होंगे। इन गानों को लोग आज भी काफी पसंद करते हैं और होली के त्योहार के दौरान बजाते हैं। ऐसे में अगर आप इस होली कुछ नया सुनना चाहते हैं, तो इस बार नॉन फिल्मी गाने सुनकर अपने फेस्टिवल को मजेदार बना सकते हैं। होली का त्योहार आ गया है और इस बार हर कोई रंगों के साथ-साथ अलग-अलग गानों को भी फेस्टिवल में बजाने के लिए तैयार है। अभी तक कई फिल्मों में होली की धूम और उस पर बने गाने देखने को मिले हैं। ऐसे में इस बार अगर कुछ अलग सुनना चाहते हैं तो अपनी प्लेलिस्ट में ये नॉन फिल्मी गाने शामिल कर सकते हैं फेमस सिंगर सचेत और परंपरा टंडन आज प्लेलिस्ट और भी रंगीन हो जाएगी। सचेत और परंपरा की आवाज में गाये हुए इस गाने का नाम 'चिंता किस बात की' है। ये जोड़ी अपने इस गाने से होली को और भी मजेदार बना देंगे होली का त्योहार हो और भोजपुरी गाने न हो ऐसा कैसे हो सकता है। इसी साल फरवरी में रिलीज हुए अरविंद अकेला कल्लू के पॉपुलर भोजपुरी गाने 'देवर प रहब होली में' को भी आप इस बार सुन सकते हैं। इस गाने को अरविंद ने शिल्पा राज के साथ मिलकर गाया है। वहीं, अभी तक इस गाने को 40 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं अक्षरा सिंह के गानों का दीवाना तो हर कोई है। अब एक हफ्ते आराम से बजा सकते हैं और इसका आनंद ले सकते हैं। अभी तक काफी लोगों ने इस गाने को देख लिया है और यह सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी है मीका सिंह और अभिनव शेखर की आवाज में गाया हुआ गाना 'होली में रंगीले' भी लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इस गाने में मौनी रॉय और वरुण शर्मा दिखाई दे रहे हैं। इसी लिस्ट में भोजपुरी का एक और गाना 'उजर ओढनिया रंगनी' भी शामिल है। इस गाने को भी होली प्लेलिस्ट में एड किया जा सकता है। गाने को खुशी कक्कड़ ने अपनी आवाज दी है। वहीं, माही श्रीवास्तव ने इस पर धमाकेदार डांस किया है।

अमिताभ बच्चन की होली में सजती थी शहनाई वादकों की महफिल, किशोर भानुशाली ने बताया बॉलीवुड की इस फेमस पार्टी का ये किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई । होली का इंतजार लगभग हर किसी को होता है। कहते हैं कि ये वो दिन होता है, जब गिले शिकवे भूलकर लोगों को एक दूसरे के साथ बस मस्तीभरी होली मनानी चाहिए। फिल्मों में इस फेस्टिवल को अलग-अलग धुन के

गानों के साथ बनाया गया है, जो इस त्योहार की खूबसूरती और भी बढ़ा देते हैं। लेकिन रील लाइफ से अलग सितारों की रियल लाइफ होली भी काफी मजेदार और यादगार रही है। फिल्मी सितारों के बीच होली फेस्टिवल को मनाने का क्रेज बरकरार रहता है। इस त्योहार और फिल्म व टीवी स्टार्स से जुड़े कुछ सुने और अनसुने किस्से भी हैं। ऐसा ही एक किस्सा जुड़ा है अमिताभ बच्चन की पार्टी से जिसके बारे में एक्टर किशोर भानुशाली ने बताया। उन्होंने बिग बी के घर खेली गई होली को अपनी सबसे यादगार होली बताया है। बॉलीवुड सेलेब्स में होली पार्टी सेलिब्रेशन का चलन बहुत पुराना है। कभी आरके स्टूडियो, को कभी जलसा में सितारों से स्टार स्टडेड होली मनाई। अमिताभ बच्चन के घर पर आयोजित हुई होली की तो बात की अलग होती है। दिवंगत अभिनेता देवानंद के जैसे दिखने और मिमिक्री करने वाले किशोर भानुशाली ने अमिताभ बच्चन के घर खेली गई होली के उस पल को याद किया, जो वह कभी भूलना नहीं चाहेंगे। किशोर भानुशाली ने कहा, 'बचपन से ही होली मेरा पसंदीदा त्योहार रहा है। एक बार मुझे होली के लिए अमिताभ बच्चन जी के घर जाने का मौका मिला। दरअसल, मैं स्वर्गीय जोगिंदर जी के घर होली मनाने के लिए गया था, तो उन्होंने मुझसे कहा कि बच्चन साहब के घर से होली का निमंत्रण आया है।' किशोर भानुशाली ने बताया कि जिस वक्त वह बिग बी के घर होली मनाने गए, तब वहां सब इस त्योहार के रंग में रंगे थे। अभिषेक बच्चन छोटे थे, फिर भी वह हर मेहमान से पूछ रहे थे कि आपने नाश्ता किया या नहीं? जया बच्चन हर मेहमान से कह रही थीं कि बिना नाश्ता किए और खाना खाए मत जाना। किशोर भानुशाली ने कहा कि अमिताभ बच्चन की होली पार्टी में फिल्म इंडस्ट्री के लगभग सभी बड़े स्टार्स मौजूद थे। संगीत के लिए शहनाई वादक थे और ढोल का भी इंतजाम किया गया था। उन्होंने इस होली को अपनी जिंदगी की सबसे यादगार होली बताया।

बॉक्स ऑफिस पर जाग उठा सोया 'शैतान' 16वें दिन कमाई में लगा दी लंबी छलांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शैतान मूवी ने इस समय सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। सुपरनेचुरल थ्रिलर के आधार पर अजय देवगन और ज्योतिका की इस मूवी ने फैंस के ऊपर एक अनूठी छाप छोड़ी है। जिसकी वजह से हर रोज कमाई के मामले में ये फिल्म शानदार लय के साथ आगे बढ़ रही है।इस बीच शैतान के 16वें दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के ताजा आंकड़े सामने आ गए हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि शनिवार को इस फिल्म ने कितने करोड़ का काराबोर कर लिया है। दूसरे वीकेंड के बाद से हर रोज शैतान की कमाई का ग्राफ नीचे की तरफ जाता दिखा। ऐसा लग रहा था कि अब शैतान का क्रेज खत्म होने वाला है। लेकिन जैसी ही तीसरा वीकेंड आया ये फिल्म एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर हुंकार भरती दिखाई दी है।इस बात की पूरी उम्मीद लगाई जा रही थी कि शैतान का गाड़ी तीसरे शनिवार को पटरी पर लौट आएगी और फिलहाल ऐसा होता दिख भी रहा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार अजय देवगन की इस हॉरर थ्रिलर ने रिलीज के 16वें दिन बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाया है और बेहतरीन कारोबार कर के दिखाया है। मूवी के खाते में करीब 4.3 करोड़ रुपये के नोट आए हैं, जोकि बीते शुक्रवार की तुलना में दोगुनी कमाई है। अब तक शैतान ने करीब 125 करोड़ की कमाई कर ली है।8 मार्च को शैतान को बड़े पर्दे पर रिलीज किया गया। उसके बाद से इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर अपने सामने किसी अन्य फिल्म को नहीं टिकने दिया।इस दौरान पहले सप्ताह में योद्धा, बस्तर-द नक्सल स्टोरी और दूसरी स्पातह में मडगांव एक्सप्रेस और स्वतंत्र वीर सावरकर से शानदार कारोबार कर के दिखाया है। ऐसे में ये साफ कहा जा सकता है कि शैतान फिलहाल दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है।

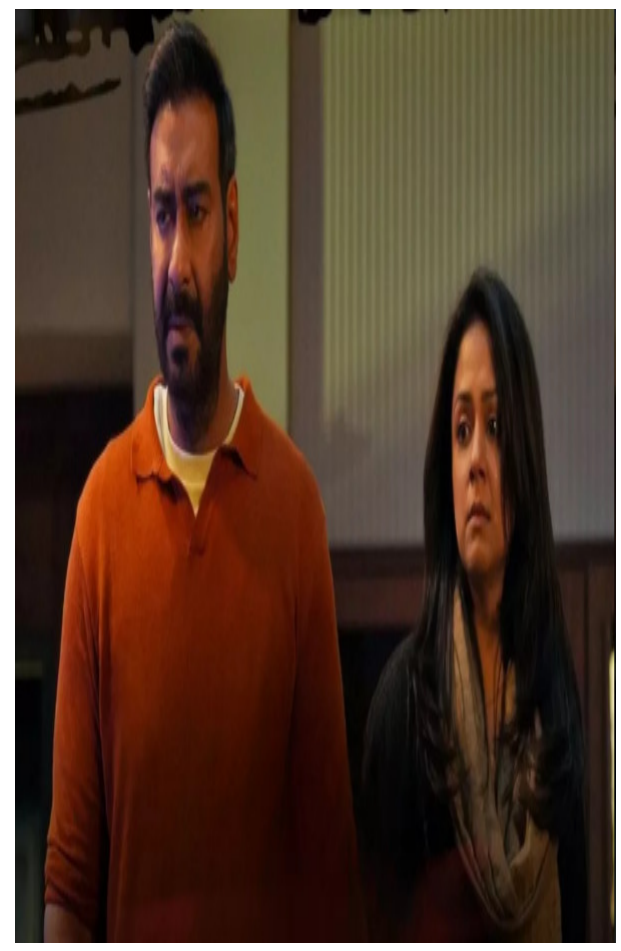

विजय वर्मा ने खोला राज, बताया कैसे तमन्ना भाटिया संग शुरू हुई थी उनकी लव स्टोरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विजय वर्मा और तमनन भाटिया बॉलीवुड के पावर कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर एक साथ कई इवेंट्स में दिखाई देते हैं। फैंस को भी दोनों की जोड़ी काफी पसंद आती है। इस कपल की रिलेशनशिप को लेकर अक्सर यह सुनने को मिलता है कि दोनों ने 'लस्ट स्टोरीज 2' के दौरान एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। विजय वर्मा और तमनन भाटिया की लव स्टोरी अक्सर सुखिर्यों में बनी रहती है। ऐसा बताया जाता है कि दोनों ने एक दूसरे को लस्ट स्टोरीज 2 के दौरान डेट करना शुरू कर दिया था। हालांकि अब खुद विजय ने अपनी प्रेम कहानी के बारे में बात की है और बताया है कि यह सच नहीं है। हमने लस्ट स्टोरीज 2 के दौरान डेटिंग शुरू नहीं की थी। हालांकि, अब खुद विजय वर्मा ने बताया है कि दोनों ने फिल्म की

शूटिंग के दौरान डेट करना शुरू नहीं किया था। एक्टर ने अपनी रिलेशनशिप के बारे में एक इंटरव्यू में खुलकर बात की है और बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। नेटफ्लिक्स इंडिया के यूट्यूब चैनल पर तन्मय भट्ट से बात करते हुए विजय ने बताया कि लस्ट स्टोरीज 2 की शूटिंग के दौरान हम दोनों की डेटिंग शुरू नहीं हुई थी। हम एक रैप अप पार्टी करना चाहते थे और उसमें सिर्फ 4 लोग आए। मुझे ऐसा लगता है कि उस दिन मैंने उन्हें कहा था कि मैं तुम्हारे साथ हैंगआउट करना चाहता हूं। उसके बाद हमारी पहली डेट होने में 20-25 दिन लग गए थे। इससे पहले तमनन ने भी फिल्म कैम्पियन को दिए एक इंटरव्यू में अपनी रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की थी। एक्ट्रेस ने उस समय कहा था कि विजय और मेरी बॉन्डिंग काफी नैचुरल है। वह ऐसे इंसान हैं, जिसकी मैं बहुत परवाह करती हूं। वह मेरा हैप्पी प्लेस है। विजय वर्मा और तमनन भाटिया के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्टर को आखिरी बार मर्डर मुबारक में देखा गया था। अब वह जल्द ही मिर्जापुर 3, उल जलूल इश्क और मटका किंग में दिखाई देंगे। वहीं, तमनन के पास पाइपलाइन में अरनमई 4 और वेदा हैं।

जाह्नवी कपूर ने घुटनों के बल चढ़ी तिरुपति मंदिर की सीढियां, एक्ट्रेस ने ऐसा करने की बताई बड़ी वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर जितनी ग्लैमरस और लग्जरीयस

लाइफस्टाइल जीती हैं, उतना ही धर्म और आस्था में भी विश्वास रखती हैं। वह बॉलीवुड की लैविश पार्टी अटेंड करती हैं, तो बिजी शेड्यूल से समय निकालकर मंदिर जाना भी मिस नहीं करतीं। दर्शन करते हुए जाह्नवी की अक्सर कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इस बार एक्ट्रेस अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाडि़या और दोस्त औरी के साथ तिरुपति मंदिर गईं। खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर लग्जरी के साथ-साथ धर्म और आस्था से जुड़ी चीजें भी खूब करती हैं। वह अक्सर मंदिर जाती रहती हैं। आध्यात्म से उनका लगाव पुराना है। हाल ही में एक्ट्रेस अपने दोस्त औरी और रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाडिया के साथ तिरुपति मंदिर गईं। यहां उन्होंने घुटनों के बल सीढियां चढ़कर दर्शन किए। एक्ट्रेस ने इसका कारण रिवील किया। जाह्नवी धर्म-आस्था में काफी विश्वास रखती हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।